राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,18 मई 2023 वर्ष–6,अंक–113 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन साल के सीएम वाले ऑफर से भी क्यों डरे डीके शिवकुमार, मायावती से भूपेश बघेल तक देते हैं सीख

डीके शिवकुमार के सिद्धारमैया के बाद तीन साल के लिए सीएम बनने के ऑफर को खारिज करने के पीछे इतिहास की कुछ घटनाएं भी हैं, जो सबक देती हैं। यही वजह है कि डीके शिवकुमार ने किसी भी समझौते से इनकार किया है।

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भी कांग्रेस एक नई मुश्किल में घिरी हुई है। मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। इस बीच खबर आई थी कि सिद्धारमैया ने खुद ही कांग्रेस हाईकमान को एक सुझाव देते हुए कहा कि पहले उन्हें दो साल मुख्यमंत्री रहने दिया जाए और फिर बाद में तीन साल के लिए डीके शिवकुमार को मौका मिले। इस सुझाव के बाद माना गया था कि अब सुलह हो सकती है, लेकिन डीके शिवकुमार ने इस फॉर्मूले को भी खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह कोई विरासत में मिली संपत्ति नहीं है, जिसका बंटवारा किया जाए। दरअसल डीके शिवकुमार के सिद्धारमैया के बाद तीन साल के लिए सीएम बनने के ऑफर को खारिज करने के पीछे इतिहास की कुछ घटनाएं भी हैं, जो सबक देती हैं। कहा जाता है कि खुद कांग्रेस में ही 2018 में ऐसा एक समझौता छत्तीसगढ़ में हुआ था। तब भूपेश बघेल को सीएम बनाया गया और यह तय हुआ था कि ढाई

दरअसल डीके शिवकुमार के सिद्धारमैया के बाद तीन साल के लिए सीएम बनने के ऑफर को खारिज करने के पीछे इतिहास की कुछ घटनाएं भी हैं, जो सबक देती हैं।

साल के बाद टीएस सिंह देव को कमान मिलेगी। ढाई साल पूरे हुए तो सीएम बदलने की चर्चाएं तो शुरू हुईं, लेकिन भूपेश बघेल ने सरकार पर मजबूत पकड़ बना ली थी और उन्होंने इस्तीफे से इनकार कर दिया। टीएस सिंह देव का विरोध भी काम नहीं आया और अंत में हाईकमान को भी भूपेश बघेल की जिद के आगे झुकना पड़ा।

कैसे भूपेश बघेल ने टीएम सिंह देव को दिया झटका

टीएस सिंह देव के लिए 2018 का समझौता घाटे वाला सौदा रहा और अंत में 2022 में उन्होंने सरकार से ही इस्तीफा दे दिया। यानी टीएस सिंह देव खाली हाथ ही रह गए। यही नहीं डीके शिवकुमार के ही गृह राज्य कर्नाटक में भी भाजपा और एचडी कुमारस्वामी के बीच ऐसा ही हुआ था। 2004 में जेडीएस और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई थी, लेकिन 2006 में कुमारस्वामी ने राज्य की सत्ता पाने के लिए भाजपा का साथ लिया। आधे-आधे समय तक सीएम रहने का फैसला तय हुआ, लेकिन कुमारस्वामी ने करीब डेढ़ सालों तक सत्ता में रहने के बाद अक्टूबर 2007 में सरकार गिरा दी।

जब मायावती ने कल्याण पर हमला बोला गिरा दी थी सरकार

ऐसा ही एक उदाहरण उत्तर प्रदेश का भी है, जहां मायावती ने 6-6 महीने के लिए सीएम की कुर्सी पर बात फाइनल करके सरकार बनाई थी। वह पहले मुख्यमंत्री बनीं और जब अपना टर्म पूरा कर लिया तो कल्याण सिंह को दलित विरोधी बनाकर सरकार ही गिरा दी थी। हालांकि कल्याण सिंह ने सूझबूझ से सरकार बचाते हुए विश्वास मत साबित कर दिया था, लेकिन सत्ता के बंटवारे में आई दरार के लिए इस प्रकरण को याद किया जाता है।

बीड़ी जलइले... पहली बार प्लेन में बैठ करने लगा स्मोकिंग, फिर क्या हुआ शख्स के साथ

बेंगलुरु। एक व्यक्ति पहली बार फ्लाइट से यात्रा कर रहा था। उसे शायद विमान के नियमों के बारे में पता नहीं था। उसने बीच आसमान में ही बीड़ी सुलगा दी और यात्रियों की सुरक्षा के साथ बड़ा खिलवाड़ कर दिया। फ्लाइट के लैंड होते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना अकासा एयरलाइन की अहमदाबाद से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट में मंगलवार को दोपहर घटी है। आरोपी की पहचान राजस्थान के पाली जिले के मारवाड़ निवासी एम प्रवीण कुमार के रूप में हुई है। एयकपोर्ट पर गिरफ्तार कर 56 वर्षीय आरोपी को बेंगलुरु सेंट्रल जेल भेज दिया गया। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई पर यह पहली ऐसी घटना है जब किसी को बीड़ी पीने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस साल की शुरुआत में एयरपोर्ट पुलिस ने विमान में सिगरेट जलाने के लिए दो यात्रियों को गिरफ्तार किया था। प्रवीण कुमार ने पुलिस को बताया कि वह बिजनेस करता है और पहली बार उड़ान भर रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट पर तलाशी के दौरान बीड़ी का पता लगाने में विफल रहना एक गंभीर चूक है। उन्होंने कहा, ÷सिगरेट या बीड़ी का आसानी से पता चल जाता है। इस तरह की घटना तलाशी में विफलता का परिणाम है। अधिकारी के मुताबिक, प्रवीण कुमार मारवाड़ में एक मजदूर है। वह एक वृद्ध व्यक्ति के साथ जा रहा था, जो एक रिश्तेदार की मृत्यु के बाद समारोह में भाग लेने के लिए शहर जा रहे थे। उसने पुलिस को बताया, मैं नियमित रूप से ट्रेन से यात्रा करता हूं और शौचालय के अंदर धूम्रपान करता हूं। मुझे लगा कि मैं फ्लाइट में भी ऐसा कर सकता हूं, मैंने बीड़ी पीने का फैसला किया। प्रवीण कुमार अकासा विमान क्यू से बेंगलुरु के लिए उड़ान भर रहे थे। चालक दल के सदस्यों ने उन्हें शौचालय के अंदर धूम्रपान करते हुए पकड़ा।

बीमा घोटाला मामला

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के सहयोगी के यहां सीबीआई की तलाशी

नई दिल्ली। सीबीआई ने बुधवार को कथित बीमा घोटाला मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्य पाल मलिक के तत्कालीन सहयोगी और दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश के आठ अन्य स्थानों पर तलाशी ली। सीबीआई की टीमों ने आज सुबह पूर्व राज्यपाल के पूर्व सहयोगी के आवास और अन्य स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया। बता दें कि एजेंसी की यह कार्रवाई 28 अप्रैल को मलिक से पूछताछ के एक महीने के भीतर आया है। इससे पहले, उनका बयान पिछले साल अक्टूबर में बिहार, जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय में

राज्यपाल की जिम्मेदारी पूरी करने के बाद दर्ज किया गया था। सरकारी कर्मचारियों के लिए सामूहिक चिकित्सा बीमा योजना के ठेके देने और जम्मू-कश्मीर में किरू पनबिजली परियोजना से संबंधित 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कार्यों में मलिक द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में सीबीआई ने दो प्राथमिकी दर्ज की। मलिक ने दावा किया था कि 23 अगस्त, 2018 और 30 अक्टूबर, 2019 के बीच जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए उन्हें 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी।

दिल्ली को मिलेगी हीटवेव से राहत...जून की इस तारिख तक आएगा मानसून : आईएमडी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पर बड़ी जानकारी दी। IMD के अनुसार, इस साल केरल में मानसून की शुरुआत में देरी होने की संभावना है, 4 जून को मानसून के आने की भविष्यवाणी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले 2 घंटों के दौरान दिल्ली-एनसीआर के साथ हरियाणा के रोहतक, खरखौदा बड़ौत और उत्तर प्रदेश के बागपत, मेरठ, मोदीनगर, गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़, सियाना, सिकंदराबाद, बुलंदशहर, जहांगीराबाद समेत कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने कहा कि पिछले साल, केरल में मानसून 27 मई को आईएमडी की भविष्यवाणी के दो दिन बाद 29 मई को आया था। पिछले 18 वर्षों (2005-2022) के दौरान केरल में मानसून की शुरुआत की तारीख के परिचालन पूर्वानुमान 2015 को छोड़कर सही साबित हुए थे।

मॉडल में उपयोग किए गए मानसून की शुरुआत के छह भविष्यवाणियां हैं-

उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान

दक्षिण प्रायद्वीप पर प्री-मानसून वर्षा शिखर

दक्षिण चीन सागर के ऊपर आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन

निचला क्षोभमंडलीय क्षेत्र दक्षिण पूर्व हिंद महासागर पर हवा

उपोष्णकटिबंधीय NW प्रशांत महासागर पर समुद्र के स्तर का दबाव

उत्तर पूर्व हिंद महासागर पर ऊपरी क्षोभमंडलीय आंचलिक हवा, आईएमडी विज्ञप्ति में कहा गया है।

इससे पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा था कि दिल्ली में लू की कोई स्थिति नहीं है लेकिन अगले सात दिनों के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक बना रहेगा। आईएमडी दिल्ली के क्षेत्रीय प्रमुख, कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, पश्चिमी विक्षोभ के कारण मई के पहले पखवाड़े में हीटवेव की स्थिति कम गंभीर थी, जो उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को प्रभावित करती थी। अगला पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत के करीब आ रहा है। अगले 7 दिनों में, हम वहां हीटवेव की स्थिति की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। लेकिन तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक अधिक होगा। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा, दक्षिण हरियाणा, दिल्ली एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर-पूर्वी राजस्थान के क्षेत्रों में धूल भरी हवाएं चल रही हैं।

भाजपा ने विधान परिषद की खाली सीटों के लिए की प्रत्याशियों की घोषणा, जल्द होंगे 2 सीटों पर चुनाव

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने विधान परिषद की दोनों खाली सीटों से पार्टी प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने मंगलवार की देर रात दोनों सीटों से प्रत्याशियों के नाम घोषित किए। मानवेंदर सिंह और पदमसेन चौधरी इन दोनों को खाली सीट से पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया है। इन दोनों सीटों पर नामांकन की आखिरी तारीख 18 मई है और 29 मई को मतदान होगा।

मानवेंदर सिंह-जानकारी के मुताबिक, मानवेंदर सिंह कानपुर से हैं और इस समय भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। वह कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। मानवेंदर सिंह 1980 में भाजपा के जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। वहीं 1985 में पहली बार भाजपा के टिकट पर विधायक बने। वह इस समय भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्हें बुंदेलखंड डेवलमेंट बोर्ड का चेयरमैन बनाया था। ये पोस्ट हमेशा सीएम के पास रही थी। सीएम योगी ने स्पेशल पावर के तहत इन्हें ये पद सौंपा था।

पदमसेन चौधरी

आपको बता दें कि बहराइच के पूर्व सांसद

पदमसेन चौधरी भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता हैं। 1996 में अपने पिता की मौत के बाद पहली बार पदमसेन चौधरी उत्तर प्रदेश के बहराइच से सांसद बने। चौधरी ने भाजपा में संगठन के स्तर पर भी कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। पदम सेन चौधरी के पिता पिता रूद्रसेन चौधरी जनसंघ और फिर भाजपा के सांसद रहे थे।

खालिस्तानी, गैंगस्टर और तस्कर सब पर शिकंजा, एनआईए ने 6 राज्यों में 100 जगहों पर मारी रेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार की सुबह गैंगस्टरों, खालिस्तानियों और तस्करों की सांठगांठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देश के 6 राज्यों में 100 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में गैंगस्टरों और खालिस्तानियों की गतिविधियों से संबंधित सुरागों के आधार पर छापेमारी की जा रही है। यह छापेमारी लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़, नीरज बवाना समेत दर्जन भर गैंगस्टर्स के करीबियों पर की गई है। केंद्रीय एजेंसियों, दिल्ली पुलिस और अन्य राज्यों की पुलिस ने पिछले सात महीनों से देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ पाकिस्तान, कनाडा, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका जैसे देशों संचालित

हो रहे इन संगठित अपराधियों और आतंकवादियों का पीछा किया है। इस दौरान कई गैंगस्टरों की गिरफ्तारी भी की गई।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच जैसी इकाइयों ने पिछले छह-सात महीनों में गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ के 51 कट्टर शीर्ष गुर्गों और 217 मध्य स्तर के अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनसे एके-47, एमपी-5, ग्रेनेड लांचर और हथगोले आदि सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि जैसे राज्यों में पुलिस ने पूरे गैंगस्टर-नेटवर्क को खत्म करने के लिए दर्जनों बार छापे मारे हैं। इसके अलावा एनआईए ने पिछले छह-सात महीनों में सात राज्यों में पांच राउंड में 200 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर लगभग 30 गैंगस्टरों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। 13 संपत्तियों को भी जब्त कर लिया है। 95 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। 20 लुक आउट सर्कुलर जारी किए हैं।

एक अधिकारी ने कहा, ये गिरोह बड़े पैमाने पर जनता के बीच भय और दहशत फैलाने के लिए आतंक और हिंसा को प्रचारित करने के लिए साइबर-स्पेस का उपयोग कर रहे थे। एनआईए ने पाया है कि मारने और जबरन वसूली करने की इनमें से कई साजिशें विभिन्न राज्यों की जेलों के अंदर से रची जा रही थीं। विदेशों में स्थित गुर्गों के एक संगठित नेटवर्क द्वारा इसे अंजाम दिया जा रहा था।

बाबा बागेश्वर पर हमलावर क्यों नहीं हो पा रही तेजस्वी यादव की पार्टी ?

नई दिल्ली। बाबा बागेश्वर इन दिनों बिहार में दरबार लगाए हुए हैं। दावा है कि यहां 8-10 लाख लोग पहुंच रहे हैं। यह संख्या अतिरेक हो सकती है। अगर इसे 2-3 लाख भी मान लिया जाए तो आज के इस दौर में यह इतिहास लिखने जैसा है। बात हिंदूत्व की हो तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) खुद को इससे अलग क्यों रखती, जिसने कुछ ही महीने पहले रामचरितमानस विवाद पर नीतीश कुमार के डिप्टी तेजस्वी यादव की पार्टी को जमकर घेरा था। बीजेपी के काम को आसान लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने कर दिया, जब उन्होंने बाबा के खिलाफ तल्ख बयान दिया था। उम्मीद के मुताबिक बीजेपी के तमाम बड़े नेता इस दरबार में पहुंचे। उनमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सांसद सुशील मोदी, लोकसभा सांसद रविशंकर प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी सहित तमाम दिग्गज इस मंच पर आरती की थाल पकड़े हुए दिखे। दरबार तो धार्मिक है, लेकिन पाटलिपुत्र की इस धरती पर इसके सियासी निहितार्थ भी हैं। बिहार में बीते कुछ महीने पहले तेजस्वी यादव की सरकार में शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर ने रामचरितमानस को लेकर विवादित बयान दिया था। पूरी आरजेडी इस मामले पर काफी आक्रामक दिखी। नीतीश कुमार को भी इस पूरे प्रकरण में डिफेंसिव होना पड़ गया था। हालांकि, उनकी पार्टी जेडीयू ने इसका विरोध जरूर किया था। आरजेडी और शिक्षा मंत्री का विरोध कर रही बीजेपी इसके बाद से ही एक बड़े मौके की तलाश कर रही थी, जो इस मुद्दे से मेल खाता हो। यही कारण है कि बीजेपी ने

बाबा बागेश्वर के दरबार में हाजिरी लगाने में देरी नहीं की।

बाबा बागेश्वर बीजेपी के लिए कितने फायदेमंद?

प्रचंड गर्मी वाले मई के महीने में बाबा बागेश्वर के दरबार में उमड़ी भीड़ आज के समय में किसी राजनीतिक दल के लिए भी जुटाना आसान नहीं है। बीजेपी ने इसके महत्व को समझा और तमाम दिग्गजों को मंच पर उतार दिया। दिल्ली की बुरारी लोकसभा सीट, जहां पूर्वांचल का दबदबा है, से सांसद मनोज तिवारी फ्लाइट से लेकर दरबार स्थल तक बाबा की परछाई की तरह दिख रहे हैं। उन्होंने बाबा की कार की ड्राइवरी तक करने में कोई संकोच नहीं किया।

भाजपा की राजनीति के लिए मुफीद हैं बाबा बागेश्वर

आरजेडी की तुलसी दास वाली राजनीति के जवाब में बीजेपी बाबा बागेश्वर के दरबार में हाजिरी लगाकर सामाजिक गोलबंदी का परीक्षण कर सकती है। जिस तरह सुशील मोदी सहित बीजेपी के तमामत बड़े नेता उन्हें पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कहकर संबोधित कर रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि बाबा बागेश्वर के जरिए बीजेपी बिहार की सवर्ण जनता को संबोधित करना चाहती है। पटना के सियासी गलियारों में यह भी चर्चा है कि इस पूरे कार्यक्रम के पीछे भूमिहारों का दिमाग है। इसके अलावा बाबा के दरबार में सर्वजातीय भीड़ उमड़ रही है और बाबा खुद को हनुमान का उपासक बताते हैं। यह भी बीजेपी की राजनीति के लिए काफी मुफीद है। बाबा बागेश्वर बीजेपी की घोषित-अघोषित लाइन के आसपास ही अपनी बात रखते हैं। हाल ही में उन्होंने बजरंग दल पर बैन का विरोध किया था।

बाबा बागेश्वर के बिहर आगमन से इस बात का भी टेस्ट हो जाएगा कि आरोजेडी उनपर किस हद तक हमलावर होती है। लालू और तेजस्वी की पार्टी तुलसीदास वाले विवाद से अप्रत्यक्ष रूप से हिंदू धर्म के सबसे बड़े प्रतीक पुरुष श्रीराम के जीवनीकार पर हमला कर चुकी है। इससे आगे अगर राजनीति ध्रुवीकरण की तरफ बढ़ती है तो इसका सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। गौर करने वाली बात यह भी है कि आरजेडी ने भी अपने तीखे तेवर मंद कर दिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

महंगाई से राहत

महंगाई घटी नहीं है, लेकिन उसके बढ़ने की रफ्तार बहुत हद तक थम गई है। थोक मुद्राफीति दर की बात करें, तो लगातार 11 महीने से गिरते-गिरते अप्रैल में यह (—) 0.92 प्रतिशत पर आ गई। महंगाई का नकारात्मक होना आम लोगों के लिए राहत की बात है, पर उद्योग जगत पर इसका मिला-जुला असर होता है। जून 2020 के बाद से यह थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का सबसे निचला स्तर है, जब थोक मुद्रास्फीति (—) 1.81 फीसदी थी। इस नकारात्मक मुद्रास्फीति को तकनीकी रूप से अपस्फीति भी कहा जाता है। हालांकि, यह बात ध्यान रखने की है कि यह आंकड़ा साल-दर-साल के आधार पर निकाला जाता है। अप्रैल 2022 में थोक मुद्रास्फीति 15.38 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। मतलब पिछले साल इस समय थोक महंगाई बहुत तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन इस बार तुलनात्मक रूप से घट रही है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल, 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, गैर-खाद्य वस्तुओं, रासायनिक उत्पादों, रबर, प्लास्टिक उत्पादों, कागज और इसके उत्पादों की कीमतों में गिरावट का योगदान है। अप्रैल में भी खाद्य, गैर-खाद्य, ईंधन, बिजली और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में गिरावट देखी गई है। महंगाई का एक बार स्थिर होना जरूरी है। गौर करने की बात है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतें अभी भी 3.54 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ रही हैं। आम लोगों को खाद्य पदार्थों की कीमतें ही सर्वाधिक पीड़ित करती हैं। अनाज, गेहूं, फल, दूध और अंडे, मांस और मछली की कीमतों के बढ़ने की रफ्तार में अभी और कमी आनी चाहिए। सब्जियों की कीमतों ठहराव आया है, लेकिन रोटी महंगी हो गई है। थोक मूल्य वृद्धि पर लगाम लगी है, तो खुदरा मुर्द्रास्फीति में भी कमी आई है। खुदरा मुद्रास्फीति 18 महीने के निचले स्तर 4.70 प्रतिशत पर आ गई है। उम्मीद तो जताई जा रही है कि राहत का यह क्रम अगस्त तक जारी रह सकता है, लेकिन दुनिया में जो हालात हैं, आश्वस्त ढंग से कुछ नहीं कहा जा सकता। महंगाई को नियंत्रित रखने में भारतीय रिजर्व बैंक का सर्वाधिक योगदान है। मौद्रिक नीति का ही कमाल है कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के औसतन 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। अगर भारत इस दौर में महंगाई को इस स्तर पर नियंत्रित रख पाता है, तो यह एक बड़ी कामयाबी होगी। आज महंगाई दर के मोर्चे पर भारत की तुलना विश्व की कुछ अच्छी अर्थव्यवस्थाओं से हो सकती है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और ज्यादातर यूरोप में महंगाई नियंत्रण में है, जबकि दुनिया में पचास से ज्यादा देशों में स्थानीय वजहों से हालात खराब हैं। पड़ोस में देखें, तो पाकिस्तान में भारत से लगभग सात गुना ज्यादा महंगाई है। वहां महंगाई दर 36.6 फीसदी, जबकि श्रीलंका में 35.3 प्रतिशत है। बांग्लादेश में 10 फीसदी से कुछ कम और नेपाल में 7.76 प्रतिशत की दर के साथ कुछ राहत है। हालांकि, जब हम भारत की चर्चा करते हैं, तो हमें इसकी विशाल आबादी को भी सामने रखकर देखना चाहिए। भारत में महंगाई दर का काबू में रहना हर लिहाज से जरूरी है। पिछले वर्ष अप्रैल-मई का ही समय था, जब महंगाई बहुत चुभ रही थी, लेकिन धीरे-धीरे वह नियंत्रण में आती गई है। अगले महीने की शुरुआत में जब मौद्रिक नीति के लिए बैठक होगी, तब रिजर्व बैंक को यह ध्यान रखना होगा कि आम लोगों को मिल रही राहत का सिलसिला जारी रहे।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

भारत में डिजिटल क्रांति अन्य देशों के लिए बन रही है उदाहरण

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत को जी-20 समूह की अध्यक्षता मिलना एक वरदान की तरह साबित होता दिखाई दे रहा है। भारत ने हाल ही के वर्षों में कई क्षेत्रों में जो अतुलनीय प्रगति की है, इसे देखकर जी-20 समूह के सदस्य देश आश्चर्यचकित हो रहे हैं। भारत चूंकि जी-20 समूह के सदस्य देशों की विभिन्न बैठकें देश के लगभग समस्त राज्यों के अलग अलग नगरों में आयोजित कर रहा है, इससे देश के समस्त राज्य न केवल इन बैठकों के लिए विशेष तैयारियां कर रहे हैं बल्कि विभिन्न देशों से आने वाले प्रतिनिधि भी इन शहरों में भारत की आर्थिक प्रगति की झलक देख पा रहे हैं।

जी-20 समूह का महत्व इस जानकारी से बहुत स्पष्ट तौर पर झलकता है कि पूरे विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में जी-20 समूह के सदस्य देशों की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत की है। विश्व के 193 देशों का कुल सकल घरेलू उत्पाद 95 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसमें, जी-20 समूह के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था का आकार 75 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। विश्व की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी एवं भारत) को मिलाकर दुनिया की आधी से अधिक अर्थव्यवस्था बनती है। वर्ष 2022 में केवल 18 देशों का सकल घरेलू उत्पाद एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक था। पूरे विश्व का 75 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय विदेश व्यापार जी-20 समूह के सदस्य देशों में होता है। कुल मिलाकर जी-20 समूह के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया को प्रभावित करती है। अतः स्वाभाविक तौर पर जी-20 समूह का उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से निपटना है एवं जी-20 समूह के सदस्य देशों की जिम्मेदारी वैश्विक स्तर पर वित्तीय स्थिरता बनाए रखने की है। जी-20 समूह के सदस्य देशों में शामिल हैं - अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रान्स, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, दक्षिण कोरिया, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, यूरोपीय संघ, टर्की एवं ब्रिटेन। जी-20 समूह के सदस्य देशों के बीच डिजिटल अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने की दृष्टि से एक विशेष 'डिजिटल इकॉनामी वर्किंग ग्रुप' का वर्ष 2017 में गठन किया गया था। पहिले इसे 'डिजिटल इकॉनामी टास्क फोर्स' के नाम से जाना जाता था। भारत में इस वर्किंग ग्रुप की प्रथम बैठक 13 फरवरी 2023 को लखनऊ में सम्पन्न हुई थी। इस बैठक में भारत के डिजिटल कायाकल्प के सफर की रूपरेखा प्रदर्शित की गई तथा भारत में डिजिटल पब्लिक आधारभूत ढांचे एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था में साईबर सुरक्षा और डिजिटल स्किलिंग आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। नैसकोम एवं यूनेस्को द्वारा प्रदान की गई एक जानकारी के अनुसार डिजिटल स्किल गैप की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को वर्ष 2028 तक 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के नुक्सान की आशंका है। अतः इस बैठक में वैश्विक स्तर पर डिजिटल अर्थव्यवस्था के महत्व को स्वीकार किया गया। जी-20 समूह के सदस्य देशों के डिजिटल इकॉनामी वर्किंग ग्रूप की दूसरी बैठक हैदराबाद में दिनांक 17 अप्रेल से 19 अप्रेल 2023 के बीच हुई। इस बैठक में भारत को वैश्विक स्तर पर डिजिटल अर्थव्यवस्था का आधार माना गया इससे भारत की जी-20 अध्यक्षता से वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवथा को बल मिलता दिखाई दे रहा है। भारत में हुई डिजिटल क्रांति पूरी दुनिया के सामने एक मिसाल के तौर पर पेश की गई। जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद भारत पूरे विश्व में में डिजिटल डिवाइड कम करने के लिए भरपूर प्रयास कर रहा है। इस बैठक में हाई स्पीड मोबाइल ब्रॉड बैंड के उपयोग और प्रभाव पर व्यापक चर्चा हुई है। भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय एवं कृषि क्षेत्रों में डिजिटल व्यवस्था को जिस प्रकार सफलतापूर्वक लागू किया है, अन्य देश इस मॉडल को किस प्रकार लागू कर सकते हैं, इस विषय पर भी गम्भीर चर्चा हुई है। साथ ही, 'कनेक्टिंग द अनकनेक्टेड', 'सस्टेनेबल ग्रीन डिजिटल इंफ्रा' जैसे विषयों को आगे बढ़ाने पर भी सदस्य देशों के बीच सहमति बनी है। भारत में 5जी और 6जी तकनीक का विकास देखने जी-20 समूह के सदस्य देशों की एक टीम भारत के आईआईटी संस्थानों में भी गई है। भारत में डिजिटल क्रांति से समूह के सदस्य देश इतने अधिक प्रभावित हुए हैं कि कई सदस्य देशों ने तो भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में अपनी रुचि दिखाई है एवं इस तकनीकि को यह देश अपने यहां भी लागू करना चाह रहे हैं। भारत में डिजिटल पेमेंट सिस्टम, यूपीआई प्लेटफोर्म पर, अब बहुत सफल तरीके से कार्य कर रहा है। यूपीआई ने 376 बैंकों को अपने साथ जोड़ लिया है और इस प्लेटफोर्म पर 11.9 लाख करोड़ रुपए के 730 करोड़ लेनदेन किए जा रहे हैं। जुलाई 2015 में भारत ने 'डिजिटल इंडिया' पहल की शुरूआत की थी और आज इस स्थिति तक पहुंच गया हैं। याद कीजिए भारत में एक दौर हुआ करता था जब सामान्य नागरिक उत्पाद खरीदने के लिए दुकानों में जाया करते थे। बेहतर विकल्प की तलाश एवं कम कीमत पर सामान खरीदने के उद्देश्य से एक दुकान से दूसरी दुकान और दूसरी दुकान से तीसरी दुकान के चक्कर लगाते थे। उत्पादों की खरीद के पूर्व बैकों में जाकर राशि निकालनी होती थी, ताकि नकद राशि अदा कर उत्पाद खरीदें जा सकें। परंतु भारत में डिजिटल क्रांति के बाद अब नागरिक विभिन्न उत्पाद चंद मिनटों में खरीद लेते हैं, वह भी मोबाइल फोन पर। कल्पना कीजिए कि आज देश में एक व्यक्ति एक सामान खरीदने के लिए यदि 6 से 8 घंटे का समय बचा रहा है तो 140 करोड़ की आबादी कितना समय बचा पा रही है। बचाए गए इस समय का सार्थक उपयोग किया जाकर देश के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही इससे 'डिजिटल इंडिया' को भी सहारा मिलेगा और वैसे भविष्य के आर्थिक सफर की बुनियाद भी यही है। भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के चलते बैंक तो जैसे नागरिकों की जेब में समा गई है, क्योंकि इंटरनेट एवं मोबाइल की सुविधा से नागरिक 24 घंटे × सात दिन, रुपए को अपने खाते से दूसरे के खाते में हस्तांतरित कर सकते हैं। डिजिटल प्लेटफोर्म पर उत्पादों की कीमत एवं गुणवत्ता के बारे में जानकारी हासिल कर उत्पाद को खरीद सकते हैं। साथ, ही, यह सुविधा तो अब देश के दूर दराज़ के ग्रामीण इलाकों में भी उपलब्ध हो गई है। बैकिंग सुविधाओं को नागरिकों को प्रदान करने के मामले में तो भारत यूपीआई के माध्यम से बहुत आगे निकल आया है और

आज यूरोपीयन विकसित देश भी भारत की ओर देख रहे हैं। डिजिटल आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए भारत में काफी समय से मेहनत से काम किया गया है। ऑप्टिकल केबल का जाल गावों तक बिछाया गया है, 5ज की तकनीकी आने के बाद इसे भी देश के दूर दराज ग्रामीण इलाकों में ले जाया जा रहा है, ब्रॉड बेंड की सुविधा को गांव-गांव तक पहुंचाया गया है, ताकि इंटरनेट की उपलब्धता गांव स्तर तक बनी रहे। ग्रामीणों को इन सुविधाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किए जाने के प्रयास भी किया गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने तो नागरिकों को जागरूक करने के लिए बाकायदा एक अभियान ही चलाया कि डिजिटल प्लेटफोर्म पर किस प्रकार बैंकिंग व्यवहार किए जाने चाहिये।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग के हितार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ डिजिटल अर्थव्यवस्था के चलते करोड़ों नागरिकों को बहुत आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त योजनाओं के अंतर्गत दी जा रही सब्सिडी आदि का पैसा भी सीधे ही लाभार्थियों के खातों में जमा हो जाता है, जिससे आय के रिसन को पूर्णतः समाप्त कर लिया गया है। जनधन योजना के अंतर्गत खोले गए बैंक खाते, आधारकार्ड एवं मोबाइल को जोड़कर वित्तीय समावेशन के लक्ष्यों को प्राप्त किये जाने के सफल प्रयास भी किए गए हैं। साथ ही, अधिकतम सरकारी सेवाओं को भी डिजिटल प्लेटफोर्म पर लाया जा रहा है ताकि नागरिकों को और अधिक सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

श्री एंगस मेडिसन दुनिया के जाने माने ब्रिटिश अर्थशास्त्री इतिहासकार रहे हैं। आपने विश्व के कई देशों के आर्थिक इतिहास पर गहरा रिसर्च किया है। भारत के संदर्भ में आपका कहना है कि एक ईस्वी के पूर्व से लेकर 1700 ईस्वी तक भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित था। अब डिजिटल अर्थव्यवस्था के माध्यम से भारत पुनः वैश्विक स्तर पर एक महाशक्ति के रूप में अपने आप को स्थापित कर सकता है। इसकी प्रबल सम्भावनाएं दिखाई देने लगी हैं। भारत में पिछले 9 वर्षों के दौरान किए गए कई आर्थिक उपायों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था का इंजन अब तेज़ गति से पटरी पर दौड़ने लगा है। लगभग समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी लगातार बता रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारत में आर्थिक विकास की दर पूरे विश्व में सबसे अधिक रहने वाली है।

दुविधा त्यागने से ही मिलेगा सफलता का साथ

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज हमारी सबसे बड़ी समस्या यह हो गई है कि हम संकल्प और विकल्प में झूलते रहते हैं और कर्म में जुटने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाती है। इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा और बुरा परिणाम यह हुआ है कि हम अपने कार्यों में प्रायः असफल हो रहे हैं। इसी कारण निराशा और अवसाद हमें जकड़ लेते हैं। किसी भी काम के लिए जाते हुए, हम जाने क्यों, संकल्प और विकल्प में फंस जाते हैं। आईएएस का फार्म भरूं तो पास भी हो पाऊंगा या नहीं? नौकरी के लिए अप्लाई तो करूं, पर इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा या नहीं? मित्र से मिलने जाने की सोचें, तो फिर वही कि जाने वो मिलेगा भी या नहीं? सच कहूं, तो यह दुविधा हमारी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है और हम इसके ऐसे 'आदी' हो गए हैं कि दुविधा में पड़े रहकर जीवन की कर्मभूमि से भागकर, असफलताओं को अपना बना लेते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है? उत्तर बहुत छोटा-सा है कि हम आलस्य के वशीभूत 'कर्म से भागने के आदी' हो जाते हैं और अवसरों का लाभ नहीं ले पाते। इधर एक प्रेरक बोध कथा पढ़ने को मिली, जिसने मुझे नई रोशनी दी है। आज वह बोध कथा आप सब में साझा करना चाहता हूं :-

एक राजा को उपहार में किसी दूसरे राज्य के राजा ने बाज के दो बड़े ही सुंदर बच्चे भेंट किए, जो बड़ी ही अच्छी नस्ल के थे। उस राजा ने कभी इतने शानदार बाज नहीं देखे थे। राजा ने उन दोनों बाजों की देखभाल के लिए एक बड़े अनुभवी आदमी को नियुक्त कर दिया। जब कुछ महीने बीत गए, तो उत्सुकतावश राजा ने बाजों को देखने का मन बनाया। राजा वहां पहुंचा, जहां बाजों को पाला जा रहा था। राजा ने देखा कि दोनों बाज काफी बड़े हो चुके थे और पहले से भी शानदार लग रहे थे। राजा ने बाजों की देखभाल कर रहे आदमी से कहा, 'मैं इन दोनों की उड़ान देखना चाहता हूं। तुम इन्हें उड़ने का इशारा करो।' उस आदमी ने ऐसा ही किया। इशारा मिलते ही दोनों बाज उड़ान भरने लगे। राजा ने देखा कि जहां एक बाज खुले आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरा बाज़ कुछ ऊपर जा कर लौट आया और वापस आकर उसी डाल पर बैठ गया, जिस डाल से वो उड़ा था। यह देखकर राजा को बड़ा अजीब लगा और राजा ने उन दोनों को पालने वाले से पूछा, 'क्या बात है, जहां एक बाज इतनी अच्छी उड़ान भर रहा है, वहीं ये दूसरा बाज उड़ना ही नहीं चाहता?' उन दोनों को पालने वाला बोला, 'हुजूर! इस बाज के साथ शुरू से यही समस्या है, वो इस पेड़ की डाल को छोड़ता ही नहीं।' राजा को दोनों ही बाज प्रिय थे और वे अपने दूसरे बाज को भी उसी तरह उड़ते देखना चाहते थे। अगले ही दिन पूरे राज्य में ऐलान करा दिया गया कि जो भी व्यक्ति दूसरे बाज को ऊंचा उड़ाने में कामयाब होगा, उसे राजा द्वारा खूब इनाम दिया जाएगा। एक से एक शिकारी बाज को उड़ाने का प्रयास करने लगे। हफ्तों बीत जाने के बाद भी उस बाज का वही हाल था। वो थोड़ा-सा उड़ता और वापस आकर उसी पेड़ की डाल पर बैठ जाता था, जहां बाकी समय बैठा करता था।

फिर एक दिन कुछ अनोखा नज़ारा राजा ने देखा कि उसके दोनों ही बाज आसमान में खूब ऊंचे उड़ रहे हैं। राजा ने तुरंत उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा, जिसने ये कारनामा कर दिखाया था। पता चला कि वह व्यक्ति तो एक साधारण-सा किसान है। अगले दिन उस किसान को दरबार में बुला कर, इनाम की स्वर्ण मुद्राएं भेंट करने के बाद, राजा ने कहा, 'मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूं। बस तुम इतना बताओ कि जो काम बड़े-बड़े शिकारी नहीं कर पाए, वो तुमने कैसे कर दिखाया? इस बाज़ को तुमने कैसे उड़ना सिखाया है?' विनम्रतापूर्वक किसान बोला, 'राजन, मैं तो एक साधारण-सा किसान हूं। मैं ज्ञान की ज्यादा बातें तो नहीं जानता। मैंने तो बस उस पेड़ की वह डाल ही काट दी थी, जिस पर बैठने का यह दूसरा बाज आदी हो चुका था। जब वो डाल ही नहीं रही, तो दूसरा बाज़ भी अपने साथी बाज़ के साथ ऊपर उड़ने लगा।'

जीवन का सच भी यही है कि हम सबको भी ऊपर उठने के लिए तमाम तरह के 'अवगुणों की डाल' काटना अनिवार्य है। अपनी कमियों और कमजोरियों को ठीक किए बगैर जीवन में ऊंचाई पाने की कल्पना भी बेमानी ही होती है। किसी ने खूब कहा है :-

'मंज़िलें तो उन्हीं को मिलती हैं,
जिनके सपनों में जान होती है।
पंखों से सच में कुछ नहीं होता,
हौसलों से ही उड़ान होती है!'

आइए, हम जीवन में 'गीता' की उस सीख को उतार लें, जिसने अर्जुन को कुरुक्षेत्र के युद्ध में विजयी बनाया। वह सीख यही तो है कि संकल्प और विकल्प की दुविधा को त्याग कर 'कर्म करो', फल हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए उसकी चिंता कैसी?

'कर्म मनुज का धर्म है, फल है प्रभु के हाथ।
विकल्प छोड़, संकल्प लें, रहे सफलता साथ।'

सैनिक बल भी नहीं रोक पा रहे हैं, मणिपुर में हिंसा

(लेखक - सनत जैन)

मणिपुर में लगभग 2 सप्ताह से हिंसा हो रही है। मेताई समुदाय को एसटी का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में,कुकी समुदाय द्वारा रैली निकालकर विरोध किए जाने से,एक बार फिर मणिपुर में फिर हिंसा फैल गई।उग्रवादियों ने अलग-अलग जगहों पर आग लगा दी। दर्जनों मकान और दो ट्रक आग में स्वाहा हो गए। मणिपुर में सबसे ज्यादा हिंसा चूरा चंद्रपुर जिले के गांव तोरबूँग में हो रही है। मणिपुर में बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। सेना और असम राइफल्स के हजारों जवान यहां पर तैनात हैं। अभी तक मणिपुर की हिंसा में 75 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। 10 जिलों में हिंसा फैली हुई है। मणिपुर के 6000 से ज्यादा लोग पलायन कर मिजोरम पहुंच गए हैं। मिजोरम में इनके लिए 6 कैंप बनाए गए हैं। राहत शिविरों में लगभग 6000 लोग रह रहे हैं।कुछ लोग अपने स्थानीय रिश्तेदारों के यहां शरण लिए हुए हैं। सुरक्षाबलों की तैनाती के बाद भी, अल्पसंख्यक वर्गों की सुरक्षा में सैन्य बल नाकाम साबित हुआ है। मणिपुर में केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाने की मांग शुरू हो गई है। ग्रामीण हथियार उठाने की बात करने लगे हैं। आदिवासी और ईसाई मिशनरिया एकजुट होने लगी हैं।मैतई और कुकी समुदाय के बीच में लगातार हिंसक झड़पें हो रही हैं। भाजपा सहित मणिपुर के 10 विधायकों ने अलग प्रशासन और अलग राज्य की मांग उठाई थी। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने नई दिल्ली में जाकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को मणिपुर की स्थितियों से अवगत कराया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विधायकों द्वारा उठाई गई मांग को ठुकरा दिया है।मणिपुर में जिस तरह की हिंसा देखने को मिल रही है। उसमें शासन और प्रशासन के प्रति स्थानीय जनजा तियों का अविश्वास देखने को मिल रहा है। किसी भी पक्ष को शासन और प्रशासन पर विश्वास नहीं रहा, जिसके कारण हिंसा लगातार जारी है। पूर्व में जो समझौते हुये थे, वह समझौते भी अब निष्फल साबित हो रहे हैं। बहुसंख्यक वर्ग समझौतों को नकार कर अल्पसंख्यक वर्ग को दबाने में लगा हुआ है। सत्ता पाने के लिए जिस तरह एक दूसरे समुदाय के बीच में वैमनस्यता बढ़ाई जा रही है।उसका सबसे बड़ा उदाहरण,मणिपुर है।हिंदूवादी संगठनों द्वारा पिछले वर्षों में यहां पर अलगाववाद और ताकत के बल पर आदिवासियों और अन्य समुदायों के बीच जो वैमनस्य पैदा किया गया है। बहसंख्यक वर्ग को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। उसके कारण पूरा मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। कुछ इसी तरह की स्थितियां अन्य राज्य में देखने को मिल रही हैं। बहुसंख्यक वर्ग सत्ता में काबिज होने के लिए मनमानी कर रहा है। एक दूसरे समुदाय को लड़ाने का काम कर रहा है। उससे अन्य समुदायों में विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों में डर और भय का वातावरण बन रहा है, वह अपने अस्तित्व की रक्षा करने के लिए बगावत की ओर अग्रसर होने मजबूर हैं। केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार को संवेदनशीलता के साथ स्थिति पर गौर करते हुए सबक लेने की जरूरत है।हिंसक वातावरण में कभी भी सत्ता को ज्यादा दिनों तक सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है।जब हिंसा आंतरिक हो, उस समय तो सत्ता को स्थिर रख पाना और भी मुश्किल हो जाता है। यह बात हमारे सत्ताधीसों को समझनी होगी। भारत में ताकत के बल पर जो भी सत्ता हासिल की गई,उसका जल्द ही पतन हो गया। ऐसे हजारों उदाहरण भारतीय इतिहास में हैं। जन्मभूमि सभी के जीवन दा यिनी होती है। किसी जाति समुदाय और धर्म में जन्म लेना कर्म के फल से ही संभव होता है। जन्म और मृत्यु पर भगवान का अधिकार है।इसको हम जितना जल्दी समझ ले, उतना अच्छा है।एक मच्छर तो हम मार नहीं पाते हैं। हमारे राजनेता बड़े-बड़े दावे करते हैं। सत्ता में आकर वह अपने आप को भगवान की तरह भाग्य विधाता मानने लगते हैं। भारत में जिस तरह से बहुसंख्यक वर्ग, सत्ता पर काबिज होने के लिए एक दूसरे को एक दूसरे समुदाय को लड़ा रहा है। उसके कारण भारत में मणिपुर जैसी स्थितियां अन्य राज्यों में निर्मित हो रही हैं। प्रेम और सद्भाव तेजी के साथ खत्म हो रहा है। हर जाति समुदाय और धर्म के बीच में अविश्वास का बीज पैदा किया जा रहा है। उससे स्थितियां दिनों दिन खराब हो रही है। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव के परिणामों से भी सबक लेने की जरूरत है।लोगों के लिए जीवन जीना सबसे महत्वपूर्ण है। जीवन रहेगा तो धर्म रहेगा। भूखे पेट भजन की उम्मीद करना संभव ही नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 372, निफ्टी 104 अंक गिरा

मुंबई । (एजेंसी)

शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आईटी और प्रौद्योगिकी शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 371.83 अंक करीब 0.60 फीसदी नीचे आकर 61,560.64 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय ये 592.37 अंक तक फिसल गया था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 104.75 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी नीचे आकर 18,181.75 अंक पर बंद हुआ। बाजाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की बेरुखी का भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। अमेरिका में ताजा आर्थिक आंकड़ों से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसके साथ ही मंदी की चिंता से भी निवेशकों का रुख सतर्क बना रहा।'' सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, टाटा स्टील, विप्रो, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयर नीचे आये। वहीं इंडसइंड बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आया है। वहीं आज सुबह शेयर बाजार कि शुरुआत` गिरावट के साथ हुई है। सेंसेक्स 93.70 अंक की गिरावट के साथ ही 61,838.77 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 21.00 अंक की गिरावट के साथ 18,265.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की के साथ ही ऊपर आये जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया है। वहीं यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। एमसीएक्स पर सोना करीब 130 रुपए आकर 60370 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। इसी प्रकार चांदी भी 50 रुपए महंगी हो गई है। एमसीएक्स पर चांदी के भाव 72600 रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गये हैं। कमोडिटी मार्केट में भी इसी कारण तेजी आई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी के दामों में तेजी आई है। कॉमैक्स पर सोना 2000 डॉलर प्रति ऑन्स के नीचे आया है। सोने की कीमतें करीब 2 सप्ताह बाद 2000 डॉलर से नीचे आया है। इससे पहले गत दिवस सोना 25 डॉलर नीचे आया था। इसी प्रकार चांदी भी निचले स्तरों पर कारोबार कर रही है। कॉमैक्स पर 24 डॉलर प्रति ऑन्स के नीचे है, यह 7 हफ्तों का निचला स्तर है। डॉलर इंडेक्स में रिबाउंड से गिरावट दर्ज की गयी है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपय 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.38 पर बंद हुआ। रुपये में ये गिरावट विदेशों में डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी से आई है। वहीं रुपया आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 82.29 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 82.38 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.45 के निचले स्तर पर भी आया। वहीं गत दिवस कारोबारी सत्र में रुपया 82.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 फीसदी बढ़कर 102.91 पहुंच गया। वहीं वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.19 फीसदी बढ़कर 75.05 डॉलर प्रति बैरल हो गया। घरेलू बाजारों और मजबूत डॉलर के कारण भारतीय रुपये में गिरावट आई।

इंडिया में मेटा के डायरेक्टर मनीष चोपड़ा ने इस्तीफा दिया

मुंबई । इंडिया में मेटा के डायरेक्टर और हेड ऑफ पार्टनरशिप मनीष चोपड़ा ने इस्तीफा दे दिया है। फेसबुक और वॉट्सएप जैसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की पैरेंट कंपनी को अलविदा कहने का सिलसिला लगातार जारी है। नवंबर 2022 के बाद से कंपनी छोड़ने वाले चोपड़ा चौथे सीनियर अधिकारी हैं। उन्होंने जनवरी 2019 में मेटा को जॉइन किया था। अब उन्होंने मेटा से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे का ऐलान करने के लिए उन्होंने लिंक्डइन को चुना। प्रोफेशनल लोगों के लिए पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर चोपड़ा ने इस्तीफे की पोस्ट शेयर की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वहां कंपनी से निकलने की प्रोसेस पूरी करने के लिए अगले कुछ हफ्ते तक मदद करूंगा। इसके अलावा उन्होंने मेटा में अपने सफर के लिए कंपनी का आभार जताया। चोपड़ा ने पोस्ट में कहा कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप के डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए मेटा ने उनपर भरोसा किया। इसके लिए उन्होंने मेटा का आभार जताया।

आईबीएम ने पोलर सिक्योरिटी का अधिग्रहण किया

मुंबई । सॉफ्टवेयर की दिग्गज कंपनी आईबीएम ने स्वचालित क्लाउड डेटा सुरक्षा और अनुपालन प्रदाता पोलर सिक्योरिटी का अधिग्रहण कर लिया है। रिपोर्ट्स ने दावा किया कि सौदा लगभग 60 मिलियन डॉलर में हुआ। जनवरी 2021 में स्थापित पोलर सिक्योरिटी डेटा सुरक्षा प्रबंधन (डीएसपीएम) का एक अग्रणी है, जो एक उभरता हुआ साइबर सिक्योरिटी सेगमेंट है, जो यह बताता है कि सेंसिटिव डाटा कहां स्टोर है, इसका एक्सेस किसके पास है, इसका उपयोग कैसे किया जाता है, और कमजोरियों की पहचान करता है। आईबीएम ने कहा कि वह प्रमुख डेटा सिक्योरिटी प्रोडक्ट के अपने गार्डियम फैमिली के भीतर पोलर सिक्योरिटी की डीएसपीएम टेक्नोलॉजी को एकीकृत करने की योजना बना रहा है। आईबीएम सॉफ्टवेयर के प्रोडक्ट्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दिनेश निर्मल ने कहा, इस एकीकरण के साथ, आईबीएम सिक्योरिटी गार्डियम सुरक्षा टीमों को एक डेटा सुरक्षा प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा, जो सभी स्टोरेज स्थानों एसएएएस में, परिसर में और सार्वजनिक क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर में सभी डेटा टाइप्स को फैलाता है। यह 2023 में आईबीएम का 5वां अधिग्रहण है। अप्रैल 2020 में अरविंद कृष्णा के सीईओ बनने के बाद से, आईबीएम ने अपने हाइब्रिड क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं को मजबूत करते हुए 30 से अधिक कंपनियों का अधिग्रहण किया है। पोलर सिक्योरिटी स्वचालित रूप से क्लाउड सेवा प्रदाताओं, एसएएएस प्रोपर्टीज और डेटा लेक के भीतर संरचित और असंरचित संपत्तियों सहित क्लाउड पर अज्ञात और संवेदनशील डेटा पा सकती है। एक बार खोजे जाने के बाद, यह डेटा को वर्गीकृत करता है, उस डेटा के संभावित और वास्तविक प्रवाह को मैप करता है, और कमजोरियों की पहचान करता है।

सिंगापुर एक्सचेंज निफ्टी 50 का वायदा जल्द ही एनएसई से होगा डीलिस्ट

मुंबई । सिंगापुर एक्सचेंज निफ्टी 50 का वायदा जल्द ही एनएसई से डीलिस्ट होने जा रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने 16 मई को सूचित किया कि उसे डीलिस्टिंग के लिए नियामकीय मंजूरी मिल गई है। बता दें कि इसे 3 जुलाई से डीलिस्ट किया जाएगा और इसके सभी ऑर्डर एनएसई आईएफएसी को ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। एनएसई के एक प्रवक्ता के अनुसार, एसजीएक्स निफ्टी का नाम बदलकर 3 जुलाई से गिफ्ट निफ्टी कर दिया जाएगा। गिफ्ट निफ्टी और सभी एसजीएक्स ऑर्डर गिफ्टी सिटी, एनएसई आईएफएससी एक्सचेंज में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। सिंगापुर एक्सचेंज ने पिछले महीने ही इसकी घोषणा की थी। एसजीएक्स निफ्टी में सभी खुले पदों को एनएसई आईएफएससी निफ्टी में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, इसलिए एसजीएक्स निफ्टी पर कोई ओपन इंटरेस्ट नहीं रहेगा। एसजीएक्स निफ्टी पर कारोबार 30 जून को कारोबार की समाप्ति पर बंद हो जाएगा। इसके बाद निवेशक गिफ्टी सिटी के एसजीएक्स पर डॉलर मूल्यवर्ग के निफ्टी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स में ट्रेड कर सकेंगे।

अडानी-हिंडनबर्ग मामला- सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को जांच के लिए 14 अगस्त तक समय दिया

- सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से 6 महीने का समय मांगा था

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने अदानी ग्रुप और हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई कर बुधवार को अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई को फैसला सुनाते हुए सेबी को आदेश दिया है कि वो 14 अगस्त तक इस मामले की जांच पूरी करे। बता दें कि सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर 6 महीने का समय मांगा था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त तक का ही समय दिया है और अब सेबी को इस मामले की जांच 14 अगस्त तक पूरी करनी है। सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि हम अभी हिंडनबर्ग रिपोर्ट के नतीजों से निपट रहे हैं। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में एमरीएस मानदंडों का पालन न करने के मुद्दे का कुछ असर है। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी से गौतम अडानी की अगुवाई वाले समूह पर लगे शेयर मूल्यों में हेराफेरी के आरोपों की जांच पर अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। उच्चतम न्यायालय ने अडानी मामले में न्यायमूर्ति एएम स्प्रे समिति की रिपोर्ट सभी पक्षकारों के साथ साझा करने का आदेश दिया। इसके अलावा अदानी-हिंडनबर्ग मामले में अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस पारदीवाला की बेंच में इस मामले की सुनवाई की।

पिछली सुनवाई के पहले सुप्रीम कोर्ट से सेबी ने फिर से 6 माह का वक्त मांगा था। इससे पहले की सुनवाई में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि उसने

2016 के बाद से अडानी समूह की किसी भी कंपनी की जांच नहीं की है, जैसा कि कुछ याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है। एक प्रत्युत्तर हलफनामे में बाजार नियामक ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा अपने उत्तर हलफनामे में दिए गए विवाद का हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित या उत्पन्न होने वाले मुद्दों से कोई संबंध नहीं है। इसमें कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं के जवाब हलफनामे में संदर्भित मामला 51 भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा वैश्विक डिपॉजिटरी रसीद जारी करने से संबंधित है।

वैष्णव ने संचार साथी पोर्टल लांच किया

नई दिल्ली ।

संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लाखों लोगों को उनके खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक करने में मदद करने के लिए संचार साथी पोर्टल (डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू संचार साथी डॉट गोव डॉट इन) लॉन्च किया। इस पोर्टल की मदद से उपयोगकर्ता अपने सिम कार्ड नंबर तक भी पहुंच सकते हैं और अगर किसी को मालिक की आईडी के जरिए सिम का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो उसे ब्लॉक कर सकते हैं। लॉन्च पर वैष्णव ने कहा कि तीन सुधार सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर), नो योर मोबाइल कनेक्शन और एएसटीआर (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड फेशियल रिकॉग्निशन पावर्ड सॉल्यूशन फॉर टेलीकॉम सिम सब्सक्राइबर वेरिफिकेशन) पेश किए गए हैं। सीईआईआर चोरी या खोए हुए मोबाइल को ब्लॉक करने के लिए है, जबकि अपने मोबाइल कनेक्शन को जानने के लिए आपके नाम पर पंजीकृत मोबाइल कनेक्शन को जानना है और एएसटीआर धोखेबाज ग्राहकों की पहचान करने में मदद करेगा। मंत्री ने कहा कि मोबाइल फोन के दुरुपयोग से पहचान की चोरी, जाली केवाईसी, बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी विभिन्न धोखाधड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी को रोकने के लिए इस पोर्टल को विकसित किया गया है। उपयोगकर्ता सुरक्षा भी दूरसंचार विधेयक के मसौदे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि संचार साथी पोर्टल का उपयोग करके 40 लाख से अधिक फर्जी कनेक्शनों की पहचान की गई है और 36 लाख से अधिक कनेक्शन अब तक काटे जा चुके हैं।

हुंदै का 36 डीलरशिप पर फास्ट चार्जर लगाने शेल इंडिया से करार

नई दिल्ली । हुंदै मोटर इंडिया ने देश में अपनी 36 डीलरशिप पर 60 केवी के फास्ट चार्जर लगाने के लिए शेल इंडिया से करार किया है। कंपनी ने इस संबंध में शेल इंडिया मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। वाहन कंपनी ने बयान में यह जानकारी दी। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य देश में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार करना है। हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) उन्सू किम ने कहा कि इस तरह की रणनीतिक साझेदारी ग्राहकों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को लोकप्रिय बनाने और कॉर्बन निरपेक्षता के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है। फिलहाल 45 शहरों में हुंदै के 72 इलेक्ट्रिक वाहन डीलर हैं।

भारत, यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत तेज करने पर सहमति जताई

नई दिल्ली ।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से संबंधित सभी मुद्दों पर आम राय तलाशकर समझौते से संबंधित बातचीत की प्रक्रिया तेज करने पर सहमति जताई है। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय संघ के कार्यकारी निकाय यूरोपीय आयोग के कार्यकारी उपाध्यक्ष वाल्दिस दाम्ब्रोवस्की के साथ ब्रसेल्स में हुई मुलाकात के दौरान एफटीए वार्ता को तेज करने पर सहमति जताई गई। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त की भी जिम्मेदारी संभालने वाले दाम्ब्रोवस्की के साथ गोयल की इस मुलाकात में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। यह बैठक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद की पहली मंत्री स्तरीय बैठक से इतर हुई। भारत और यूरोपीय संघ आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते के लिए प्रयासरत हैं। इस सिलसिले में दोनों पक्षों के बीच बातचीत की प्रक्रिया जारी है।मंत्रालय ने बयान में कहा` कि दोनों पक्षों ने सभी मुद्दों पर सहमति तलाश कर मौजूदा एफटीए वार्ता को तेज करने की जरूरत पर बल दिया। इस दौरान एक-दूसरे को अपने बाजार तक सार्थक एवं संतुलित पहुंच देने

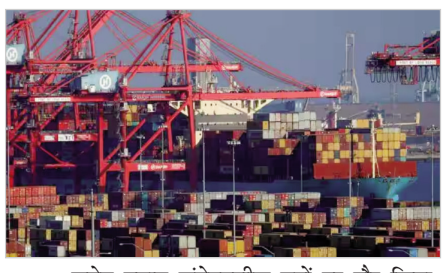

समेत तमाम संवेदनशील मुद्दों पर गौर किया जिससे दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं और उनके रोजगार को समर्थन मिल सके। गोयल और दाम्ब्रोवस्की ने कार्यसमूह-तीन के हितधारकों की बैठक की सह-अध्यक्षता भी की। यह समूह व्यापार, निवेश एवं जुझारू आपूर्ति शृंखलाओं पर केंद्रित है।

एनसीआर में फिर पेट्रोल और डीजल महंगा, नोएडा में 97 रुपए पहुंचा पेट्रोल

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 74.58 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद बुधवार को पेट्रोल-डीजल के भाव दाम फिर बढ़ गए हें। वै श्विक बाजार में क्रूड अभी 75 डॉलर के आसपास चल रहा है। वहीं सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार को जारी पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट में बदलाव कर दिया है। नोएडा-गाजियाबाद सहित एनसीआर के कई शहरों में तेल के दाम बढ़े हैं। नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए लीटर हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 24 पैसे चढ़कर 97 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 21 पैसे चढ़कर 90.14 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 13 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में भी पेट्रोल 5 पैसे महंगा हुआ और 96.62 रुपए लीटर पहुंच गया है। इसके अलावा डीजल भी 5 पैसे महंगा होकर 89.81 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 74.58 डॉलर प्रति बैरल हो चुका है। डब्ल्यूटीआई भी गिरावट के साथ 70.51 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पीवीआर-आइनॉक्स घाटे में चल रहे 50 स्क्रीन बंद करेगी

नई दिल्ली ।

सिनेमा हॉल चलाने वाली प्रमुख कंपनी पीवीआर-आइनॉक्स घाटे में चल रहे लगभग 50 स्क्रीन बंद करने की तैयारी कर रही है। पीवीआर-आइनॉक्स ने यह भी कहा कि उसकी चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 150 से 175 स्क्रीन खोलने की योजना है। पीवीआर-आइनॉक्स ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के बारे में निवेशकों को कहा` कि कंपनी की अगले छह महीनों में 50 सिनेमा स्क्रीन बंद करने की योजना है।

ये सिनेमा हॉल घाटे में हैं या फिर शॉपिंग मॉल में हैं। पीवीआर-आइनॉक्स लिमिटेड दो प्रमुख सिनेमा ब्रॉन्ड पीवीआर लिमिटेड तथा आइनॉक्स लेजर के विलय के बाद अस्तित्व में आया। विलय छह फरवरी, 2023 को प्रभाव में आया। विलय के बाद अस्तित्व में आई इकाई भारत और श्रीलंका में 115 शहरों में 361 सिनेमा हॉल का संचालन कर रही है, जिसमें 1,698 स्क्रीन हैं। एलारा कैपिटल के एक वरिष्ठ अे धिकारी कहा कि 50 स्क्रीन बंद होने से 10 करोड़ रुपए कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) पर असर पड़ेगा। ये स्क्रीन बड़े और मझोले शहरों में हैं। पीवीआर आइनॉक्स ने यह भी कहा कि उसकी चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 150 से 175 स्क्रीन खोलने की योजना है। कंपनी के अनुसार इसमें से नौ स्क्रीन अब तक खुल चुके हैं। 15 स्क्रीन के मामले में वाणिज्यिक परिचालन को लेकर लाइसेंस की प्रतीक्षा है। 152 स्क्रीन पर काम विभिन्न चरणों में हैं।

टेस्ला ने अधिकारियों से कहा- बिना इजाजत कोई भर्ती नहीं होगी

वाशिंगटन ।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि कंपनी में अब उनकी निजी मंजूरी के बिना किसी की भी भर्ती नहीं होगी। अधिकारियों को भेजे गए एक ईमेल में मस्क ने निर्देश दिए हैं कि जिन भी लोगों को भर्ती किया जाना है, उनके नामों की लिस्ट हर हफ्ते उन्हें भेजी जाए।

इतना ही नहीं अधिकारियों को भर्ती के लिए सावधानी से सोचने की भी हिदायत दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क ने कहा है कि जब तक भर्ती अधिकारियों को उनकी ओर से मंजूरी का ईमेल न मिल जाए, तब तक कोई टेस्ला जॉइन नहीं कर सकता।

यहां तक कि कोई कॉन्ट्रैक्टर भी नहीं। गौरतलब है कि पिछले महीने ही कंपनी ने अपना सबसे कम तिमाही मुनाफा दिखाया था। यह बाजार के अनुमान से भी कम रहा, क्योंकि टेस्ला लगातार मांग बढ़ाने के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों में अपनी कारों की कीमतों में कटौती कर रही है। मस्क ने पिछले हफ्ते ही ऐलान किया था कि वह ट्विटर का सीईओ पद छोड़ रहे हैं। मस्क ने इस पर के लिए एनबीसी यूनिवर्सल की एडवर्टाइजिंग प्रमुख लिंडा यैकैरिनो को नियुक्त किया था और कहा था कि इससे उन्हें टेस्ला पर ध्यान देने का ज्यादा समय मिलेगा। माना जा रहा है कि इसके बाद मस्क जल्द ही टेक्सास के ऑस्टिन में स्थित टेस्ला के हेडक्वार्टर में शेयरधारकों से बात कर सकते हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रणय बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग मेंसर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली । भारत के एचएस प्रणय ताजा बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में दो स्थान के लाभ के साथ ही पुरुष एकल में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्रणय को अब तक 17 टूर्नामेंट से 66,147 अंक मिले हैं और वह देश के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी बने हुए हैं। पुरुषों के एकल वर्ग में अन्य भारतीय खिलाड़ियों में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत 22वें और 23वें स्थान पर हैं। वहीं महिला युगल में दो स्थान के लाभ से त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को 15 वां स्थान मिला है। इसके अलावा दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु महिला एकल विश्व रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही 11वें पायदान पर पहुंच गयी हैं। दूसरी ओर पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी दो पायदान नीचे आकर सातवें स्थान पर फिसल गयी है।

प्लेऑफ की उम्मीदें बनाये रखने सनराइजर्स के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी आरसीबी

हैदराबाद ।(एजेंसी)

आईपीएल में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबल होगा। आरसीबी की टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है। प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बनाये रखने के लिए उसे ये मैच बड़े अंतर से जीतना होगा। आरसीबी के अभी 12 अंक हैं और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। ऐसे में उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बचे हुए दोनो ही मैच जीतने होंगे। एक भी मैच में हार का मतलब बाहर होना है। आरसीबी ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसका लाभ उसे इस मैच में मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम के अब तक आठ अंक है और वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर अपनी प्रतिष्ठा बचाना और आरसीबी की संभावनाओं को समाप्त करना रहेगा। टीम के लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि इस सत्र में उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। उसे केवल अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा।

वहीं आरसीबी की टीम पूरी ताकत से इस मैच में उतरेगी। उसे इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। विराट के अलावा टीम की बल्लेबाज कप्तान फाफ डुप्लेसी पर भी आधारित रहेगी। विराट आरसीबी के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में से एक हैं पर लगातार दो मैचों में असफलता से उनपर दबाव रहेगा। वह इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। वहीं कप्तान डुप्लेसी ने इस सत्र में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। इन दोनों के अलावा टीम के पास ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसा खिलाड़ी है। मैक्सवेल ने इस सत्र में पांच अर्धशतक लगाये हैं। इन तीनों के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज रन बनाने में असफल रहे हैं। आरसीबी के गेंदबाजों ने पिछले मैच में रॉयल्स को 59 रनों पर ही समेट दिया था। ऐसे में वह इस मैच के लिए आत्मविश्वास से भरे होंगे। टीम के गेंदबाजों वेन पार्नेल, माइकल ब्रेसवेल, कर्ण शर्मा, मोहम्मद सिराज ने अच्छी गेंदबाजी की थी। जिसे वे इस मैच में भी जारी रखना चाहेंगे।

अब देखना होगा कि सनराइजर्स टीम इस मैच में किस प्रकार आरसीबी का सामना करती है। सनराइजर्स के लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि अब तक वह गेंदबाजी ओर बल्लेबाजी दोनो में ही विफल रही है।

बल्लेबाजी में हेनरिच क्लासेन और राहुल त्रिपाठी के अलावा कोई भी रन नहीं बना पाया है। कप्तान एडेन मार्कराम भी अब तक नाकाम रहे हैं। इसके अलावा युवा हैरी ब्रुक भी शुरुआती मैचों के बाद अपनी चमक खो बैठे हैं। बल्लेबाज मयंक अग्रवाल का बल्ला भी खामोश बना हुआ है।

टी20 लीग से द्विपक्षीय सीरीज पर खतरा मंडराया

मुम्बई ।(एजेंसी)

दुनिया भर में जिस प्रकार टी20 लीग बढ़ती जा रही हैं। उससे आने वाले समय में द्विपक्षीय सीरीज खतरे में पड़ जाएगी। आईपीएल फ्रेंचाइजी सिर्फ भारत में ही नहीं अब यूएई, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज में भी अपनी टीमें टी20 लीग में उतार रही हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के बाद अब सऊदी अरब में भी लीग क्रिकेट शुरु होने वाला है। इससे खिलाड़ी अब राष्ट्रीय टीम की जगह लीग से खेलने को वरीयता देने लगे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल टीमों की सालाना अनुबंध के लिए इंग्लैंड के 6 खिलाड़ियों से बात हुई है। यह करार इस साल के अंत तक हो सकता है। इसमें शामिल खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 50 करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं। वहीं इसी बीच फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन (फिका) के अनुसार इंग्लैंड के ही नहीं ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को भी इसी तरह के प्रस्ताव मिले हैं। अब फिका के एक्सीक्यूटिव चेयरमैन हीथ मिल्स ने कहा कि इसका एक ही उपाय है। सभी बोर्ड को एक साथ आना और द्विपक्षीय सीरीज के कार्यक्रम में टी20 लीग को शामिल करना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो खिलाड़ी टी20 लीग में पैसे के कारण आकर्षित होकर राष्ट्रीय टीम की ओर से नहीं खेलेंगे। ऐसे में टी20 लीग के लिए साल में 2 से 3 विंडो बनाई जा सकती है। सऊदी अरब भी आईपीएल की ही तरह बड़ी टी20 लीग शुरु करने की योजना बना रहा है। बीसीसीआई अभी दुनिया का सबसे धनी बोर्ड है। उसके केन्द्रीय अनुबंध के तहत टॉप ग्रेड के खिलाड़ी को अधिकतम 7 करोड़ मिलते हैं। इसके अलावा मैच फीस की रकम मिलती है। भारतीय टीम ने पिछले साल 7 टेस्ट, 24 वनडे और 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इस प्रकार एक साल में कुल 71 मैच। एक टेस्ट टेस्ट खेलने पर मैच फीस 15 लाख, वनडे के 6 लाख और टी20 के 3 लाख मिलते हैं। ऐसे में एक खिलाड़ी को मैच फीस से अधिकतम 2022 में 3.69 करोड़ रुपये मिलते हैं।

इटैलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच

रोम । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इटैलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने ब्रिटेन के कैमरून नॉरी को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार 17 वें साल इटालियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। यहां उनका मुकाबला डेनमार्क के होल्गर रूण से हो। इसी के साथ ही अब वह 39वें एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब को हासिल करने की दौड़ में आगे बढ़ गये हैं। जोकोविच के करियर का यह 91वां एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टरफाइनल है। जोकोविच इर बार टूर्नामेंट के शीर्ष आठ तक जरुर पहुंचे हैं। फोरो इटालिको पर, उन्होंने टूर्नामेंट के छह संस्करण जीते हैं। अब वह अपने सातवें खिताब की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने 2008, 2011, 2014-15, 2020 और 2022 में भी इस प्रतियोगिता में जीत दर्ज की थी। वहीं एक अन्य मुकाबले में रूण ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-4, 5-7, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। वह गत माह मोंटे-कार्लो में फाइनल में पहुंचे थे, इससे पहले उन्होंने म्यूनिख में अपना चौथा टूर-लेवल खिताब जीता था।

आईपीएल प्लेऑफ के लिए बची हुई तीन टीमों पर फैसला सात मैचों से होगा

लखनऊ । (एजेंसी)

लखनऊ सुपर जायंट्स की मुंबई इंडियंस पर जीत के साथ ही आईपीएल में शीर्ष चार के लिए टक्कर और रोमांचक हो गयी है। अभी तक केवल एक टीम गुजरात टाइटंस प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसे में तीन अन्य कौन सी टीमें होंगी ये अभी देखना बाकि है। अब तक 63 मैच हुए हैं और 7 मुकाबले खेले जाने हैं उन्हीं के आधार पर बची हुई तीन टीमों पर फैसला होगा। इसके साथ ही नेट रन रेट भी मायने रखेगा। प्राप्त अंकों के बराबर होने पर नेट रन रेट जिसका ज्यादा होगा वही प्लेऑफ में पहुंचेगी। गुजरात ने ग्रुप स्टेज के 13 मैचों में 9 जीत दर्ज की हैं और अभी उसे एक और मुकाबला खेलना है। गुजरात वह मैच हार भी जाती है तो भी पहले नंबर पर ही रहेगी पर उससे मुकाबला करने वाली टीम के लिए जीत फायदेमंद रहेगी। अभी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के 15 अंक, लखनऊ सुपर जायंट्स के 15 अंक और मुंबई इंडियंस के 14 अंक हैं। ये तीनों ही अंक तालिका में दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर है। इन तीनों टीमों की प्लेऑफ में जगह अभी भी तय नहीं हुई है और तीनों टीमों को एक-एक मुकाबले खेलने हैं। इनमें से अब कोई भी टीम एक भी मैच हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। लखनऊ और चेन्नई अपना अंतिम मुकाबला जीत जाती है तो प्लेऑफ में दोनों टीमों की जगह पक्की हो जाएगी। चेन्नई को

अपना ग्रुप स्टेज का अंतिम मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है, जबकि लखनऊ को अपनी आखिरी मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना ।

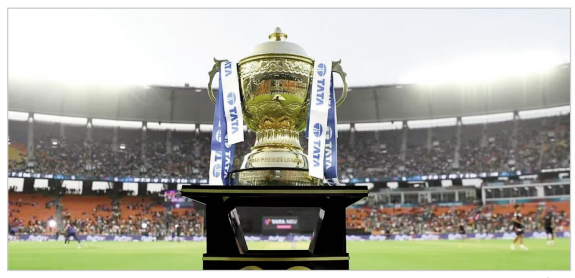

इनके बाद मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स के बीच बचे हुए स्थान के लिए मुकाबला तेज जो जाएगा। इन तोनों टीमों को एक दूसरे के खिलाफ मुकाबला नहीं खेलना है। ये तीनों टीमें अपना-अपना आखिरी मुकाबला जीत जाती हैं तो तीनों टीमों के 16-16 अंक हो जाएंगे और इसके बाद नेट रन रेट पर मामला अटक जाएगा और जिस टीम का बेहतर नेट रन रेट होगा, वही टीम क्वालीफाई कर लेगी। नेट रन रेट के मामले में पंजाब किंग्स अभी सबसे खराब स्थिति में है।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल सरकार ने गांगुली की सुरक्षा बढ़ायी

अब जेड श्रेणी के सुरक्षा घेरे में रहेंगे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल सरकार ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया है। अब गांगुली वाय की जगह जेड श्रेणी के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। गांगुली भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे हैं। सरकार ने गांगुली की सुरक्षा को वाय से जेड क्यों किया है। इस बारे में अब तक कोई कारण नहीं बताया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली ने सुरक्षा बढ़ाये जाने का कोई अनुरोध नहीं किया गया था। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल सरकार के प्रशासनिक कार्यालय ने स्वयं ही सुरक्षा बढ़ाने पर फैसला लिया। अब तक गांगुली को राज्य सरकार से वाय श्रेणी की सुरक्षा मिलती थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी। हालांकि यह फैसला क्यों किया गया इस बारे में किसी खास वजह का पता नहीं चला। वहीं एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया कि गांगुली को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलनी चाहिए।गांगुली अभी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर हैं। उनकी टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है।

आईपीएल में ऑलराउंडरों को होगा इंपैक्ट प्लेयर नियम से नुकसान : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल में इसी सत्र से लागू इंपैक्ट प्लेयर नियम से ऑलराउंडरों को नुकसान उठाना पड़ेगा। आईपीएल में अब तक ऑलराउंडरों की जबरदस्त मांग थी जो कम हो जाएगी। इस साल इंपैक्ट प्लेयर के आने से ही ऑलराउंडरों को पहले की तरह सफलता नहीं मिली है। आईपीएल के इस सत्र में ऑलराउंडरों को भारी भरपर जमकर रकम मिली। इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुर्रन को पंजाब किंग्स की टीम ने 18.50 करोड़ रुपए में जबकि कैमरुन ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ तो बेन स्टोक्स को चेन्नई सुपर किंग्स ने 16.25 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया पर ये तीनों ही प्रभावित नहीं कर पाये। इसका कारण इंपैक्ट प्लेयर नियम रहा है। इस नियम के आने से पहले ऑलराउंडरों का दबदबा था पर अब टीमें इंपैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज और गेंदबाज को शामिल करती हैं। आकाश के अनुसार बेहतर ऑलराउंडर्स पर अभी भी पैसा खर्चा जाएगा। साथ ही कहा कि अगर आईपीएल में विदेशी खिलाड़ी को भी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल करने का नियम आ जाए तो ऑलराउंडर्स पर संकट आ सकता है। चोपड़ा ने हालांकि कहा कि मेरे हिसाब से गुणवत्ता अंत में बहुत मायने रखेगी कि खिलाड़ी क्या लेकर आ रहा है। जैसे रविंद्र जडेजा एक ऑलराउंडर है और उन्हें 16 करोड़ का खरीदा गया था और वो बहुत कमाल का काम कर रहे हैं। राशिद खान है तो वैसे लेग स्पिनर, मगर वो बल्लेबाजी भी करते हैं। हार्दिक पांड्या भी एक बढ़िया ऑलराउंडर हैं। इन ऑलराउंडर्स पर अभी भी पैसा खर्चा जाएगा क्योंकि आप उन्हें 11 में सिर्फ रखते नहीं हैं, वो आपके लिए दो स्किल्स लेकर आते हैं जो बड़ी अहम होती है।

डुप्लेसी, विराट सहित आरसीबी की पूरी टीम सिराज के नये घर पहुंची

दीवार पर लगी तस्वीर ने खींचा ध्यान

हैदराबाद ।(एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गुरुवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के नये घर पहुंची। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी, विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ियों ने सिराज के घर पहुंचकर उसके परिजानों से मुलाकात की। इस दौरान सिराज के घर की दीवार पर लगी एक तस्वीर ने सबका ध्यान खींचा। इसमें सिराज विराट के गले लग रहे हैं।

आरसीबी ने अपने सोशल मीडिया से सिराज के नए घर में जाने की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें एक तस्वीर पर आकर सबकी निगाहें बार-बार टिक रही हैं। सिराज के घर की दीवार पर लगी यह तस्वीर विराट के साथ है।

इससे सिराज ने फ्रेम करवाकर लगाया है। इस तस्वीर को देखने के बाद प्रशंसक अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये। इन तस्वीरों को शेयर करने के साथ ही लिखा। हैदराबादी बिरयानी टाइम। हाल ही में सिराज ने ब्रेकफास्ट विद चैंपियन शो के दौरान विराट और अपने घर से जुड़ी एक भावुक कहानी भी बताई है।

सिराज ने शो के दौरान बताया कि जब उन्होंने एक नया घर खरीदा और अपने आरसीबी टीम के साथियों को डिनर पार्टी के लिए आमंत्रित किया था तो वह इतने ज्यादा उत्साहि थे कि अपने आदर्श विराट कोहली को निजी तौर पर आमंत्रण देने से खुद को नहीं रोक पाए थे। सिराज ने बताया, मैंने विराट भैया से कहा कि मैं अपने घर पर डिनर का आयोजन कर रहा हूं। क्या आप आने वाले हैं? तब विराट उस समय कमर दर्द से गुजर रहे थे पर इसके बाद भी वह सिराज के घर पहुंचे थे।

अब हमें सनराइजर्स को हराना होगा : रोहित

मुम्बई ।

सुपर जायंट्स के खिलाफ हार के साथ ही मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ की राह कठिन हो गयी है। अब उसे शीर्ष चार में पहुंचने के लिए आने वाले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराना होगा। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने लखनऊ के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि उनकी टीम ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य कठिन नहीं था पर कुछ गलतियां टीम पर भारी पड़ीं। उन्होंने कहा कि हम पारी के दूसरे भाग में लय कायम नहीं रख पाये। स्टोइनिस ने इस मैच में अच्छा खेला और सभी को वैसी ही बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। रोहित ने कहा कि हमने वास्तव में अच्छी तरह से पिच का आंकलन किया और यह बल्लेबाजी करने के लिए एक अच्छी पिच थी। साथ ही कहा कि हमने आखिरी ओवर में अधिक रन दे दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हमारी शुरुआत भी ठीक थी पर दूसरे हाफ में टीम लय नहीं बनाये रख पायी। रोहित ने अब प्लेऑफ के समीकरण पर कहा कि अब भी मुझ समझ नहीं आ रहा है कि गणना अंक और नेट रन रेट के आधार पर किस प्रकार टीमें तय होंगी।

एशेज की तैयारियों के लिए इंग्लैंड लौटेंगे स्टोक्स

नई दिल्ली । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स अब एशेज की तैयारी के लिए आईपीएल छोड़कर स्वदेश लौट रहे हैं। वह शनिवार को सीएसके के अंतिम लीग मैच के बाद ही स्वदेश लौट जाएंगे जिससे उन्हें अगले महीने जून में शुरू हो रही एशेज श्रृंखला की तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके। स्टोक्स को सीएसके ने दिसंबर 2022 की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था पर वह आईपीएल के इस सत्र में विफल रहे हैं। वह सीएसके की ओर से केवल दो मैच ही खेल पाए थे जिसमें वह सात और आठ रन ही बना पाये। उन्होंने अपने एक ओवर में 18 रन दिए। स्टोक्स शनिवार की शाम को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच के बाद स्वदेश लौटेंगे। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। इससे पहले इंग्लैंड टीम आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट भी खेलेगी।

सुपर जायंट्स की जीत से सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में मुम्बई से आगे हुई

मुम्बई । (एजेंसी)

आईपीएल के 16 वें सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की मुंबई इंडियंस पर जीत से महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपरकिंग्स को लाभ हुआ है। सीएसके अब प्लेऑफ की दौड़ में रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस से आगे हो गयी है। सीएसके अब अंकतालिका में दूसरे नंबर पर आ गयी है। सीएसके ने अब तक 13 में से 7 मैच जीते हैं। वहीं एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। ऐसे में दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला था। इससे सीएसके के अब 15 अंक हो गये हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के भी 13 मैच में 15 अंक हैं पर नेट रन औसत के आधार पर वह तीसरे स्थान है। अब तक केवल गुजरात टाइटंस ही प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसे में तीन अन्य टीमों को लेकर अभी फैसला आना है। वहीं मुंबई के 13 मैच में 14 जबकि पंजाब के 12 मैच में 12 अंक हैं। आरसीबी के भी 12 मैच में 12 अंक हैं. मंबई को अंतिम मैच में सनराइजर्स हैदरबाद से खेलना है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई की टीम यदि यह मैच जीत लेती है, तो राजस्थान और केकेआर की टीमें अंतिम मैच जीतने पर भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएंगी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को अंतिम 2 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस से खेलना है। वहीं पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उतरना है। आरसीबी और पंजाब 16-16 अंक तक पहुंच सकते हैं. ऐसे में अगर मुंबई इंडियंस को अंतिम मैच जीत मिलती है, तो तीनों ही टीमों के 16-16 अंक हो जाएंगे. ऐसे में जिसका नेट रनरेट अच्छा होगा, उसे फायदा मिलेगा।

इटली में गिरो डि इटालिया साइकिल रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023 संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

आस-पास भी बहुत कुछ

ऊटी व आस-पास घूमने के लिए हमने एक दिन के लिए छोटी बस किराये पर ली थी। मानसून में ऑफ सीजन होता है, तो हमें यह बेहद कम दाम में उपलब्ध हो गई। ऊटी में तो हम जगह-जगह घूमे ही, ऊटी के आस-पास भी बहुत-से ऐसे स्थान थे जहां जाकर हम रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके। पहले जिक्र करते हैं ऊटी से आठ किलोमीटर दूर और समुद्र तल से 2623 मीटर की ऊंचाई पर स्थित डोडाबेटा शिखर की। यहां पूर्वी व पश्चिमी घाटों का मिलन होता है। यहां से नीलगिरी पहाडियों का अकल्पनीय दृश्य नजर आता है। डोडाबेटा शिखर शोला वनों से घिरा है। पर्यटन विभाग ने यहां एक दूरबीन भी लगा रखी है।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

लोकेशन

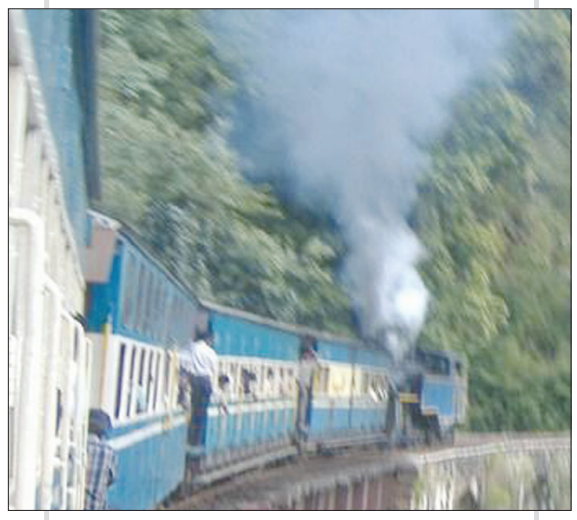

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

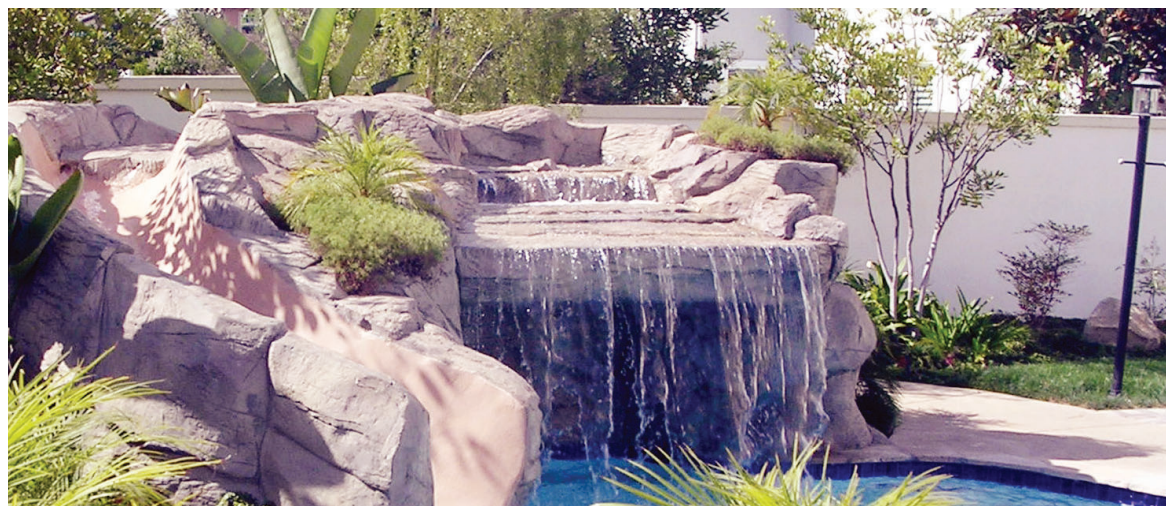

तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने लिया बड़ी जीत का संकल्प

अंकारा । तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने आगामी 28 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने का संकल्प लिया है। एर्दोगन ने मंगलवार को ट्विटर पर कहा, अब समय आ गया है कि हम 14 मई को मिली सफलता को बड़ी जीत के साथ ताज पहनाएं। उन्होंने कहा, हमने 28 मई के चुनाव के लिए पहले ही काम करना शुरू कर दिया है। गौरतलब है ?कि 28 मई को एर्दोगन और किलिकडारोग्लू के बीच दूसरे दौर के मतदान के बाद जो अधिक वोट हासिल करेगा, वह तुर्की का अगला राष्ट्रपति होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्की के चुनाव आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि 28 मई को एक रनऑफ निर्धारित किया गया है, क्योंकि राष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार को शुरुआती दौर में 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले। सुप्रीम इलेक्शन बोर्ड के प्रमुख अहमत येनर के अनुसार एर्दोगन को 49.51 प्रतिशत वोट मिला, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी केमल किलिकडारोग्लू ने 44.88 प्रतिशत और तीसरे उम्मीदवार सिनान ओगन ने 5.17 प्रतिशत वोट मिला।

चार दशक पुराने विशाल मर्डर मामले की फिर जांच करेगी ब्रिटिश पुलिस

लंदन । ब्रिटिश पुलिस के जांचकर्ता भारतीय मूल के आठ वर्षीय स्कूली बच्चे के मामले की फिर से जांच कर रहे हैं। वह चार दशक पहले घर लौटते समय लापता हुआ था। विशाल मेहरोत्रा नामक यह बच्चा 29 जुलाई, 1981 को दक्षिण लंदन से लापता हो गया था। उसी दिन किंग चार्ल्स और डायना की शाही शादी हुई थी। सात माह बाद विशाल वेस्ट ससेक्स के रोगेट गांव के पास मृत मिला था। अब तक उसकी हत्या के मामले में किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जा सका है। ससेक्स पुलिस ने कहा है कि सुर्रे और ससेक्स मेज हाल की एक डाक्यूमेंट्री और प्रोडकास्ट सीरीज पर चर्चा करने के लिए पिछले सप्ताह विशाल के पिता विशंभर मेहरोत्रा से भेंट की थी। जांच दल ने उन्हें बताया कि इस मामले की और जांच की जा रही है। मेहरोत्रा तब से ही उन परिस्थितियों की सघन जांच के लिए मुहिम चला रहे हैं जिसके तहत उनका बेटा गायब हुआ और फिर उसकी हत्या कर दी गई। सुस्सेक्स पुलिस के खोजी अधीक्षक मार्क चैपमैन ने कहा, ‘‘ हम श्री मेहरोत्रा और विशाल के परिजनों के दर्द तथा उन सवालों का जवाब पाने की उनकी जिज्ञासा को समझते हैं कि 1981 में उसके साथ क्या हुआ था। उन्होंने कहा, ‘‘पुलिस विशाल की त्रासदपूर्ण मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करने तथा उस एवं उसके परिवार को इंसाफ दिलाने के लिए कटिबद्ध है। अब तक सघन पुलिस जांच की गई है लेकिन हम किसी भी नई सूचना को हासिल करने और उसका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

चीन की मछली पकड़ने वाली नौका डूबी, 39 सदस्य लापता

बीजिंग । हिंद महासागर में चीन की मछली पकड़ने वाली एक नौका डूब गई है और उस पर सवार चालक दल के सभी 39 सदस्य लापता हैं। नौका डूबने की घटना मंगलवार तड़के करीब तीन बजे हुई। सरकार ने कहा गया है कि चालक दल में चीन के 17, इंडोनेशिया के 17 और फिलीपीन के पांच लोग शामिल हैं। चीनी नेता शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली क्विंग ने जीवित बचे लोगों की खोज में सहायता के लिए विदेशों में तैनात चीनी राजनयिकों, साथ ही कृषि और परिवहन मंत्रालयों को आदेश दिया है। ‘लुपेंगलाइयुआन्यू नंबर 8’ नामक नौका का संचालन पेंगलाईयिंग्यु कंपनी लिमिटेड करती थी और इसका परिचालन पूर्वी प्रांत शैनडोंग के समुद्री क्षेत्र में होता था।

अमेरिकी सैन्य अफसर का बड़ा खुलासा, परमाणु बेस पर एलियन ने किया हमला

वॉशिंगटन । अमेरिकी वायु सेना के पूर्व कैप्टन ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि एक समय परमाणु मिसाइल बेस पर यूएफओ ने हमला किया था, लेकिन सरकार ने इसे छुपाए रखा। पूर्व कैप्टन ने कहा ?कि कई दशक पहले परमाणु मिसाइल बेस पर देखे गए एक अज्ञात फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) ने एक समय युद्ध की स्थिति पैदा कर दी थी। संयुक्त राज्य वायु सेना के पूर्व कप्तान रॉबर्ट सालास ने एक टीवी शो यूएफओ में खुलासा किया कि कैसे 24 मार्च, 1967 को हुई एक घटना ने जांच एजेंसियों को तीन वर्षों तक उलझाए रखा था। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में उस समय के एक गॉर्ड ने सूचित किया था। आसमान में लाल-नारंगी और चमकदार चीज उड़ रही थी। इसके बाद सालास को करीब पांच मिनट बाद एक और फोन आया जिसके बाद उन्हें लगा कि उन पर हमला हो रहा है। यह किसके द्वारा किया गया था तब उन्हें नहीं पता था और पूरे नियंत्रण कक्ष में घंटियां बज रही थीं। सभी लोग पूरे आसमान में रोशनी को हरे से लाल रंग में इधर उधर मंडराते हुए देख सकते थे। सालास के अनुसार, इस घटना ने बड़ी संख्या में परमाणु मिसाइलों और हथियारों को नुकसान पहुंचाया, और फिर भी अमेरिकी सरकार ने इसकी कोई जांच नहीं की। इतना ही नहीं, सालास ने कहा कि इस बारे में जानकारी रखने वाले यूनिट के प्रमुखों को मामले के संबंध में गोपनीयता अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था। वहीं इस घटना के तीन साल बाद, अमेरिकी वायु सेना ने यह कहते हुए अपनी यूएफओ जांच इकाई को बंद कर दिया कि कोई क्षति नहीं हुई थी। यहां गौरतलब है कि पिछले महीने, पूर्व-पुलिस अधिकारी गैरी हेसल्टाइन की एक पुस्तक में दावा किया गया था कि अमेरिकी वायु सेना ने ब्रिटेन के ऊपर उड़ते हुए यूएफओ को गोली मार दी थी। पुस्तक में कहा गया कि अमेरिकी कर्मियों ने सफ़ोक में आरएएफ बेंटवाटर्स और आरएएफ वुडब्रिज पर यूएफओ पर विस्फोट किया था। इन दोनों बातों ने एक बार फिर एलियन और यूएफओ की बातों को हवा दे दी है।

डेनमार्क में रहस्यमय तरंगों से हिली धरती!

कोपेनहेगन । डेनमार्क के बोर्नहोम द्वीप पर हल्के झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। कई हल्के झटकों ने वैज्ञानिकों को हैरान किया है। उनका कहना है कि यह झटके अज्ञात स्रोत से ध्वनि दबाव तरंगों के कारण लगे थे। किसी वस्तु या स्रोत के कंपन से हवा, पानी या ठोस चीजों में भी कंपन फैले तब यह ध्वनि दबाव तरंग कहलाती है। फिर सीस्मोलॉजिस्ट ने कहा कि संभवतः यह पोलैंड में 140 किमी दक्षिण में नियंत्रित तरीके से किए जाने वाले विस्फोटों से हुआ होगा। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि यह झटके भूकंप के कारण नहीं बने हैं, बल्कि यह वातावरण में हुई किसी घटना के कारण बने हैं। इन झटकों का स्रोत अभी भी अज्ञात है। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कहना है कि भूकंपविज्ञानी रिपोर्ट कर रहे हैं कि इसकी संभावना है कि पोलैंड में एक नियंत्रित विस्फोट से झटके उत्पन्न हुए हों। पहले झटके से कुछ समय पहले एक विस्फोट किया गया था। बोर्नहोम के 60 से ज्यादा लोगों ने भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को भूकंप जैसे झटके महसूस होने की बात कही। इसके बाद में लोगों ने एक गहरी गड़गड़ाहट, कंपकंपी और कान में बदलते दबाव के बारे में बताया। डेनमार्क के जलवायु, ऊर्जा और उपयोगिता मंत्रालय के तहत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एक स्वतंत्र अनुसंधान और सलाहकार संस्था है। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कहना है कि बोर्नहोम पर दो सिस्मोग्राफ हैं जो 24 घंटे डेटा इकट्ठा करते रहते हैं। बोर्नहोम में लगभग 40 हजार लोग रहते हैं।

टूरिस्ट वीज़ा पर नहीं कर पाएंगे हज, जानें क्यों लिया ये फैसला

सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्रालय ने कहा है कि हज सीजन के दौरान पर्यटक वीजा धारकों को हज करने या उमराह करने की अनुमति नहीं है। 90-दिवसीय पर्यटक वीज़ा अपने धारकों को केवल उमराह करने की अनुमति देता है, हज के मौसम के दौरान नहीं। मंत्रालय ने पर्यटकों और आगंतुकों को नियमों का पालन करने का आह्वान किया और नियमों का उल्लंघन करने से बचने के लिए यात्रा वीजा समाप्त होने के बाद उन्हें किंगडम छोड़ने की सलाह दी।

टूरिस्ट वीजा पर नहीं कर सकेंगे हज

हज के समय टूरिस्ट वीजा पर सऊदी अरब जाने वाले लोग हज और उमरा नहीं कर पाएंगे। सऊदी सरकार के हज और उमरा मंत्रालय ने कहा कि टूरिस्ट वीजा रखने वालों को इसकी अनुमति नहीं होगी। पहले 90 दिनों के टूरिस्ट वीजा पर सऊदी आने वालों को सिर्फ उमरा करने की अनुमति थी, लेकिन हज के समय में अब इसकी भी मंजूरी नहीं होगी। मंत्रालय ने टूरिस्टों से कहा है कि वे नियमों का पालन करें और वीजा खत्म होते ही चले जाएं। यह नियम भी बनाया गया है कि मक्का में दाखिल होने के लिए वाहन और व्यक्ति दोनों को परमिट की जरूरत होगी।

टोक्यो में पुरमाणु कचरे से प्रदूषित पानी को समुद्र में छोड़ने से रोकने की मांग सरकार से करते हुए लोग।

तानाशाह जल्द लांच कर सकता हैं अपना जासूसी उपग्रह

वाशिंगटन । किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया के पहले जासूसी उपग्रह को असेंबल करने वाली सुविधा का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने यह संकेत दिया कि देश जल्द ही लगभग सात वर्षों में अपना पहला अंतरिक्ष रॉकेट लांच कर सकता है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि किम ने ‘सैन्य टोही उपग्रह नंबर 1 जो लोड होने के लिए तैयार है’ का निरीक्षण अपनी बेटी के साथ किया।

रिपोर्ट के अनुसार डिवाइस को एशिया में अमेरिकी सेना और उनके सहयोगियों की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। किम जोंग उन ने जासूसी उपग्रह की आवश्यकता पर जोर दिया। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि ‘अमेरिकी साम्राज्यवादी और दक्षिण कोरियाई कठपुतली खलनायक डीपीआरके के खिलाफ अपने टकराव की चालों को बढ़ा रहे हैं। बता दें कि उत्तर कोरिया को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण करने से रोक दिया गया है, लेकिन प्योंगयांग ने लंबे समय से दावा किया है कि वह उपग्रह प्रक्षेपण के लिए नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम का हकदार है। वहीं अमेरिका और उसके सहयोगियों ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया के अंतरिक्ष कार्यक्रम से प्राप्त तकनीक का इस्तेमाल उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों को आगे बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। जबकि संभावित लॉन्च के लिए कोई तारीख नहीं दी गई, उत्तर कोरिया 24 मई को अपने होमग्रोन नूरी अंतरिक्ष रॉकेट के लांच से पहले दक्षिण कोरिया को पछाड़ने की कोशिश कर सकता है।

अगर अमेरिका हुआ दिवालिया तब क्या होगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका इसके पहले कभी भी डिफॉल्ट नहीं हुआ है। इसकारण अगर अमेरिका डिफॉल्ट होता है, तब वास्तव में क्या होगा, इसकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। लेकिन यह बात साफ है कि ऐसा होने पर अमेरिका और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर ही पड़ेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव येलेन ने कहा था, अगर अमेरिका भुगतान करने से चूकता है, तब अमेरिकी अर्थव्यवस्था, अमेरिका के लोगों की आजीविका और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। निवेशकों का अमेरिकी डॉलर पर से विश्वास उठ जाएगा, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी से कमजोर होगी। कंपनियां नौकरियों में कटौती करेंगी। इसके अलावा, अपनी सभी योजनाओं को जारी रखने के लिए अमेरिकी सरकार के पास रिसोर्सेज नहीं होगा।

किसी भी देश का कर्ज तब बढ़ता है, जब सरकार राजस्व से अधिक पैसा खर्च करती है। या खर्च की तुलना में राजस्व में कमी आ जाती है। अमेरिकी कर्ज भी उसी तरह का है। अमेरिकी इतिहास में हमेशा से देश पर कुछ न कुछ कर्ज रहा है। लेकिन 80 के दशक में राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन की ओर से टैक्स में भारी कटौती की गई। टैक्स में कटौती के बाद सरकार के राजस्व में कमी आ गई और खर्च करने के लिए अधिक कर्ज लेने की जरूरत पड़ने लगी। जिससे अमेरिका पर कर्ज काफी तेजी से बढ़ने लगा।

1990 के दशक में डॉटकॉम कंपनियों में निवेश करके अमेरिकी खूब मुनाफा कमा रहे थे। लेकिन तेजी से ग्रो कर रही कंपनियां कई बार वर्षों तक घाटे में रहती है। डॉटकॉम कंपनियों के साथ भी यही हुआ। साल 2000 में चीजें विपरीत हुई और डॉटकॉम कंपनियों का शेयर काफी गिर गया। इससे कई अमेरिकी निवेशकों का पैसा डूब गया। इस ही डॉटकॉम बुलबुला कहा जाता है।

मंदी से उबरने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने 2001 और 2003 में दो बार टैक्स में कटौती की. इसके अलावा इराक और अफगानिस्तान में युद्ध के दौरान अमेरिका ने लगभग 6 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए। जिससे एक बार फिर अमेरिकी कर्ज में बढ़ोतरी हुई। इसके बाद 2008 में भयंकर मंदी आ गई। मंदी के कारण अमेरिका में बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत तक पहुंच गई।

अमेरिकी सरकार के बजट का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे जरूरी वेलफेयर स्कीमों पर खर्च होता है। अमेरिकी ट्रेजरी के वेबसाइट पर मौजूद डेटा के अनुसार, सरकार के कुल वार्षिक बजट का लगभग आधा हिस्सा इन्हीं वेलफेयर स्कीमों पर खर्च होता है। बजट का 12 प्रतिशत हिस्सा सरकार मिलिट्री पर खर्च करती है। इसके अलावा शिक्षा, एंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग, पेंशन एवं सेवाओं पर भी एक बड़ा हिस्सा खर्च होता है।

क्या है कर्ज सीमा?

कर्ज सीमा वह तय राशि है, जहां तक अमेरिकी सरकार सामाजिक सुरक्षा, चिकित्सा और सेना जैसी सेवाओं के भुगतान के लिए उधार ले सकती है. प्रत्येक वर्ष सरकार टैक्स, सीमा शुल्क और अन्य माध्यमों से राजस्व जुटाती है, लेकिन खर्च उससे अधिक करती है। यह घाटा साल के अंत में देश के कुल कर्ज में जुट जाता है। यह कर्ज प्रत्येक साल लगभग 400 बिलियन से 3 ट्रिलियन डॉलर तक होती है।

कर्ज लेने के लिए ट्रेजरी सरकारी बॉन्ड जारी करती है। इस कर्ज को ब्याज सहित वापस भुगतान करना होता है। एक बार जब अमेरिकी सरकार इस कर्ज लिमिट तक पहुंच जाती है, तब ट्रेजरी और बॉन्ड नहीं जारी कर सकती है। इससे सरकार के पास पैसे की कमी होती है।

ब्रिटनी के डॉक्यूमेंट्री मेकर्स पर भड़के पति सैम असगरी, जारी किया वीडियो

लॉस् एजेलिस (एजेंसी)। अमेरिकन पॉप सिंगर और सॉन्ग राइटर ब्रिटनी स्पीयर्स को लेकर बनाई जा रही डॉक्यूमेंट्री पर उनके पति सैम असगरी ने आपत्ति जताई है। हालांकि ब्रिटनी की जिंदगी विवादों के नाम रही है। प्रिंसेस ऑफ पॉप के नाम से मशहूर ब्रिटनी 1990 और 2000 के दशक में संगीत की दुनिया पर राज करती थीं। 15 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और एक ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुकीं ब्रिटनी पर टीएमजेड की डॉक्यूमेंट्री रिलीज होने वाली है। लेकिन रिलीज से पहले ही यह विवादों में है। ब्रिटनी के पति सैम असगरी ने इंस्टाग्राम के जरिए टीएमजेडी की उस रिपोर्ट पर निशाना साधा है, जिसमें कहा गया कि सिंगर की शादी गहरी मुसीबत में है। सैम असगरी ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की और कहा कि मुझे यह उन लोगों से घिन आती है, जो ब्रिटनी की जिंदगी में तब उथल-पुथल मचा रहे थे, जब वह खुद के लिए आवाज नहीं उठा पा रही थीं। उन्होंने ऐसी कहानियां सुनाईं, जो कभी उसकी थी ही नहीं। यह बहुत ही बेहूदा था। वीडियो में सैम ने ब्रिटनी के विवादित कंजरवेटरशिप के दौर की भी बात की है। ब्रिटनी साल 2008 से अपने पिता जेमी स्पीयर्स के संरक्षण में थीं। जिस पर खूब विवाद हुआ। मामला कोर्ट तक पहुंचा और अदालत के फैसले के बाद 2021 में पिता से ब्रिटनी की कंजरवेटरशिप छीन ली गई। ब्रिटनी ने अपने पिता पर कई सनसनीखेज आरोप लगाए थे। यह भी कहा था कि उनके पिता ने सारी दौलत पर कब्जा कर लिया है। सैम कहते हैं, आप अपनी जेनरेशन की सबसे प्रभावशाली, पॉप की प्रिंसेस, अमेरिका की स्वीटहार्ट को सलाखों के पीछे डाल रहे हैं। जहां उसके पिता, उसे यह बताते हैं कि क्या करना है, क्या खाना-पीना है, किससे मिलना है। और तो और उसे एक पैसा बनाने वाली मशीन के तौर पर इस्तेमाल किया गया? ब्रिटनी के पति ने आगे कहा है, अचानक 15 साल बाद जब वह उन सभी गैसलाइटिंग से आजाद हो गई, वे सभी चीजें कहीं दफ्न हो गईं तो अब आप उसपर माइक्रोस्कोप लगाकर उसकी कहानी बताना घिनौना काम है, इसलिए ऐसा मत करो। जानकारी के लिए बता दें कि गैसलाइटिंग एक साइकोलॉजिकल टर्म है, इसका मतलब ऐसी स्थिति से होता है, जहां कोई किसी इंसान को इस कदर बहकाता है और झूठी कहानियां सुनाता है कि अगला खुद पर भी शक करने लगता है। यह एक ऐसी मानसिक स्थिति होती है, जहां इंसान झूठ को सच और सच और झूठ मानने लगता है। सैम ने आगे ब्रिटनी के फैंस से अपील की है कि वह सिंगर के बारे में ऑनलाइन रिपोर्ट्स में जो भी पढ़ते हैं, उन पर भरोसा न करें।

मावलवी अब्दुल कबीर अफगानिस्तान के नए कार्यवाहक पीएम नियुक्ति

काबुल । तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने एक विशेष आदेश में मावलवी अब्दुल कबीर को अफगानिस्तान का नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद अस्वस्थ हैं और जब तक वह ठीक नहीं हो जाते, तब तक कबीर तालिबान सरकार के प्रमुख के रूप में काम करेंगे। अखुंद ने 2021 में समूह की सत्ता में वापसी के बाद से तालिबान सरकार के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया है। हालांकि तालिबान अधिकारियों ने मुल्ला हसन की बीमारी के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है, सूत्रों ने पहले कहा था कि वह हृदय रोग से पीड़ित थे। मौलवी अब्दुल कबीर पूर्वी पक्तिका प्रांत से हैं और कहा जाता है कि वह जादरान जनजाति के हैं। उन्होंने 1996–2001 तक तालिबान के पूर्व शासन के दौरान नांगरहार प्रांत के गवर्नर के रूप में कार्य किया। ऐसा कहा जाता है कि 2001 में तालिबान शासन के पतन के बाद, उन्होंने पेशावर परिषद के प्रमुख के रूप में कार्य किया। मौलवी कबीर तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं, जिन्होंने कतर में अमेरिका के साथ समूह की वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका और तालिबान के बीच दोहा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता वार्षिक रिपोर्ट में भाजपा नेताओं की हेटस्पीच का जिक्र

–रिपोर्ट में 28 बार भाजपा, 24 विहिप और 7 बार बजरंग दल का नाम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जून को अमेरिकी राष?ट्रपति जो बाइडेन के साथ एक द्विपक्षीय मुलाकात करने वाले हैं। पीएम मोदी के रेड कारपेट वेलकम से पहले अमेरिका की तरफ से आई अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता वार्षिक रिपोर्ट 2022 की वजह से भारत में विवाद पैदा हो गया है। रिपोर्ट विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन की तरफ से रिलीज किया गया है। ब्लिंकन ने इस पर कुछ नहीं कहा लेकिन रिलीजियस फ्रीडम ऑफिस के विशेष राजदूत रशद हुसैन की मानें तब कई सरकारों ने अपनी सीमाओं के भीतर धार्मिक समुदाय के सदस्यों को खुले तौर पर निशाना बनाना जारी रखा है।

भारत का जिक्र करने पर रिपोर्ट में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर काफी सख्त रुख नजर आता है। इसका जिक्र रिपोर्ट में 28 बार किया गया है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) का 24 बार और बजरंग दल का सात बार जिक्र किया गया। रिपोर्ट में पूरे भारत में बीजेपी नेताओं की तरफ से दी गईं हेटस्पीच, भड़काऊ या विभाजनकारी बयानों का भी जिक्र किया गया है।

रिपोर्ट में लिखा है, बीजेपी के एक राज्य के नेता हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि मुसलमानों को आग लगा दी जानी चाहिए। केरल में एक पूर्व विधायक पीसी जॉर्ज ने कहा हिंदुओं और ईसाइयों को मुसलमानों की तरफ से चलाए जा रहे रेस्तरां में खाना नहीं खाना चाहिए। बीजेपी के राजस्थान के पूर्व विधायक ज्ञान देव आहूजा ने हिंदुओं को मारने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अलावा इसमें बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल की तरफ से पैगम्बर मुहम्मद को लेकर की गईं टिप्पणियों का भी जिक्र है।

रिपोर्ट पर विदेश मंत्री ब्लिंकन ने जो बयान दिया वह काफी सधा हुआ था। उनका कहना था, इसका उद्देश्य उन देशों को सामने लाना है जहां जवाबदेही के लिए धर्म या विश्वास की आजादी का दमन किया जा रहा है। रिपोर्ट के जरिए एक ऐसी दुनिया की तरफ बढ़ना है जहां धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता हर जगह हर किसी के लिए एक वास्तविकता हो। ब्लिंकन ने भारत का नाम नहीं लिया। वहीं भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता पर आई रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण करार देकर खारिज कर दिया है। भारत के विदेश विभाग की तरफ से कहा गया कि ऐसी रिपोर्ट गलत सूचना और समझ पर आधारित होती हैं।

बाइडन का ऑस्ट्रेलिया दौरा रद्द, जी7 सम्मेलन में लेंगे भाग

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपना ऑस्ट्रेलिया दौरा रद्द कर दिया है। देश में बढ़ते घरेलू राजनीतिक और आर्थिक संकट और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) कांग्रेस के साथ कर्ज की सीमा को लेकर चल रही बातचीत के बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह जापान में जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद वाशिंगटन डीसी लौट आएंगे और क्वाड नेताओं के स्तर के शिखर सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया यात्रा नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन ने पापुआ न्यू गिनी की अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी है। उनकी यह यात्रा किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रशांत द्वीप देश की पहली यात्रा होती। व्हाइट हाउस में मंगलवार शाम को एक कार्यक्रम में बोलते हुए बाइडन ने पहले अपनी जापान यात्रा का पूर्वावलोकन किया और फिर कहा कि ‘अध्यक्षता की प्रकृति कई मुद्दों को एक साथ संबोधित कर रही है। इसलिए मुझे विश्वास है कि हम डिफ़ॉल्ट से बचने और विश्व मंच पर अमेरिका की जिम्मेदारियों को पूरा करने में प्रगति करने जा रहे हैं। हालांकि मैं अपनी यात्रा को छोटा कर रहा हूं। कांग्रेस के नेताओं के साथ अंतिम वार्ता के लिए वापस आने के लिए मैं अपनी यात्रा के ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी में अपने पड़ाव को स्थगित कर रहा हूं।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में अधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि बाइडन रविवार को जी 7 शिखर सम्मेलन के बाद अमेरिका लौटेंगे। बयान में कहा गया

कि राष्ट्रपति यह सुनिश्चित करने के लिए कि लौट रहे हैं कि कांग्रेस डिफ़ॉल्ट को टालने के लिए समय सीमा के भीतर कार्रवाई करे। व्हाइट हाउस प्रवक्ता काराइन जीन-पियरे ने कहा कि बाइडन ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीस से बात की है और उन्हें सूचित किया कि वह ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा स्थगित कर देंगे।

जब स्वीडनवासियों से कहा आपके मुंह में घी शक्कर तो बज उठी तालियां

–विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्वीडन में भारतीय समुदाय के लोगों से की खुलकर बातचीत

स्टॉकहोम (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जब स्वीडन वासियों से कहा कि आपके मुंह में घी शक्कर तो वहां पर तालियों की गड़गड़ाहट होने लगी। विदेश मंत्री अपनी तीन दिनी विदेश यात्रा पर स्वीडन में यूरोपीय संघ हिंद-प्रशांत मंत्रालयी मंच की बैठक में भाग ले रहे हैं। उन्होंने यहां भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान ‘भारतीय संस्कृति के वैश्वीकरण’ पर पूछे गये एक सवाल का जवाब देते हुए हिंदी के मुहावरे, ‘आपके मुंह में घी-शक्कर’ का उपयोग किया, जिसके बाद लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। जयशंकर यूरोपीय संघ हिंद-प्रशांत मंत्रालयी मंच की बैठक में भाग लेने के लिए स्वीडन की तीन दिवसीय यात्रा पर यहां आये हैं। उन्होंने रविवार शाम स्वीडन में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की और द्विपक्षीय संबंधों में आई

प्रगति से उन्हें अवगत कराया। यह पूछे जाने पर कि वैश्वीकरण के इस युग में क्या पश्चिम ने ‘हैमबर्गर’ के बजाय पानी पूरी खाना शुरू कर दिया है और क्या अब ‘शर्ट’ पर न्यूयॉर्क के बजाय नई दिल्ली छपेगा, उन्होंने कहा, एक शब्दावली है, जिसे ‘आपके मुंह में घी-शक्कर’ कहा जाता है। इस पर लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई और उन्होंने तालियां बजाईं।

विदेश मंत्री ने रविवार शाम को कहा कि स्वीडन का ईयू के सदस्य, एक नॉर्डिक साझेदार और एक साथी बहुपक्षवादी देश के रूप में महत्व है। हमने भारत में जारी उन बदलावों के बारे में बात की, जो हमारी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाते हैं और विदेशों में भारतीयों के लिए अवसर पैदा करते हैं।

इससे पहले जयशंकर ने स्वीडन के अपने समकक्ष टोबियास बिलस्ट्रॉम के साथ रविवार को यहां व्यापक चर्चा की। इस दौरान हिंद-प्रशांत, यूरोप की सामरिक स्थिति तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम मुक्त करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। विदेश मंत्री के तौर पर जयशंकर की यह पहली स्वीडन यात्रा थी। जयशंकर ने ऐसे समय में यह यात्रा की, जब भारत और स्वीडन अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे कर रहे हैं। स्वीडन वर्तमान में ईयू परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। जयशंकर ने स्वीडन के रक्षा मंत्री पॉल जॉनसन से भी मुलाकात की और दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इससे पूर्व ईआईपीएमएफ को संबोधित किया और भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐसे ‘नियमित, समग्र और स्पष्ट संवाद’ का आह्वान किया, जो केवल आज के संकट तक ही सीमित न हो।

पाकिस्तान में विस्फोटक राजनीतिक हालात से घबराए चीन, सऊदी अरब और यूएई

– सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपने विशेष दूत को पाकिस्तान भेजा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में विस्फोटक राजनीतिक हालात से उसके दोस्त देश चीन, सऊदी अरब और यूएई घबरा गए हैं। चीन के पाकिस्तान को घर सुधारने की सलाह के बाद यूएई के राष्ट्रपति पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को फोन करके मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था। असीम मुनीर ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। अब सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपने विशेष दूत को पाकिस्तान भेजा है। सऊदी अरब के उप गृहमंत्री डॉक्टर नसीर बिन अब्दुल अजीज अल दाऊद पाकिस्तान पहुंच गए हैं। पाकिस्तान सरकार का दावा है कि सऊदी दूत रोड टु मक्का प्रॉजेक्ट पर समझौते के लिए पहुंचे हैं। पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि इस प्रॉजेक्ट से हज यात्रा बहुत आसान हो जाएगी। उसने कहा कि यह सऊदी अरब का ही प्रॉजेक्ट है। वहीं पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि सऊदी प्रिंस ने इमरान और सेना के बीच विवाद को शांत करने के लिए अपने उप गृहमंत्री को भेजा है। सऊदी अरब ने बड़े पैमाने पर पाकिस्तान को कर्ज दे रखा है और उसका काफी असर है। इमरान खान और जनरल मुनीर के विवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। इमरान खान के समर्थकों ने पिछले दिनों अपने नेता की गिरफ्तारी के बाद देश में जमकर हिंसा की थी। पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने न केवल सेना के रावलपिंडी स्थित मुख्यालय में तोडफोड़ की बल्कि लाहौर में आर्मी के कोर कमांडर के घर को भी जला दिया था। इस घर को जिन्ना हाउस के नाम से भी जाना जाता है। इमरान खान समर्थकों की इस हिंसा के बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख ऐक्शन में आ गए हैं। अब सेना इमरान खान और इन पीटीआई के कार्यकर्ताओं के खिलाफ आर्मी ऐक्ट और आफिशियल सीक्रेट ऐक्ट के तहत कार्रवाई करने जा रही है। इन दोनों कानूनों को काला कानून कहा जाता है और इसके तहत उम्रकैद से लेकर मौत की सजा दी जा सकती है। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति ने जनरल मुनीर को फोन करके विवाद सुलझाने में मदद करने का प्रस्ताव दिया था। यूएई के राष्ट्रपति ने कहा कि वह पाकिस्तान में स्थिरता के लिए हर तरह की मदद करने को तैयार हैं। यूएई के इस प्रस्ताव को जनरल मुनीर ने भाव नहीं दिया था। पाकिस्तानी सेना प्रमुख अब इमरान खान के खिलाफ अब निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार दिख रहे हैं। पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि इसी वजह से सऊदी प्रिंस ने अपने दूत को भेजा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोटे अनाज के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता पैदा करने की जरूरत : तोमर

देहरादून । केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने कहा कि मोटे अनाज के पोषण गुणों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने से इसकी मांग बढ़ेगी, जिससे उनकी खेती लाभदायक होगी। तोमर ने मोटे अनाज के पोषण गुणों के बारे में दुनिया को समझाने और वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में भी बात की।

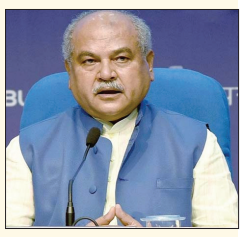

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारी थाली में मोटे अनाज को सम्मानजनक स्थान देने के लिए यह सब जरूरी था। तोमर ने यहां चार दिन के श्री अन्न महोत्सव के समापन दिवस को संबोधित किया। महोत्सव का आयोजन वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाने के लिए किया गया था। इस तरह के आयोजनों से लोग मोटे अनाज के स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में जानेंगे और उनकी मांग बढ़ेगी। तोमर कहा कि जब इसकी (मोटे अनाज की) मांग बढ़ेगी तो किसान मोटे अनाज उगाएंगे और मुनाफा कमाएंगे। पतंजलि के प्रबंध निदेशक (एमडी) आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि उत्तराखंड हमेशा से मोटे अनाज के उत्पादन का प्रमुख केन्द्र रहा है। यह आयोजन मोटे अनाज उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

ओडिशा, गोवा, असम सहित छह राज्यों को मिलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

नई दिल्ली । जलदी ही ओडिशा, गोवा, असम सहित छह राज्यों को वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने जा रही है। जानकारी के अनुसार देश में अब तक 15 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की जा चुकी हैं। मगर कई राज्यों को वंदे भारत एक्सप्रेस हासिल नहीं हुई है। अब जल्दी ही उनका इंतजार खत्म होने वाला है। ओडिशा, गोवा, असम, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड को जल्दी ही वंदे भारत ट्रेन का तोहफा मिल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 मई को ओडिशा की पहली वंदे भारत ट्रेन का तोहफा दे सकते हैं। यह ट्रेन ओडिशा की धार्मिक नगरी पुरी से पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच चलेगी। यह देश की 16वीं, पश्चिम बंगाल की दूसरी और ओडिशा की पहली वंदे भारत ट्रेन होगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक पूर्वोत्तर और उत्तराखंड को भी इसी महीने पहली वंदे भारत ट्रेन मिल सकती है जबकि गोवा और बिहार-झारखंड को अगले महीने यानी जून में इस सेमी हाई-स्पीड ट्रेन का तोहफा मिल सकता है। वहीं असम के गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईपुड़ी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को 25-26 मई को हरी झंडी दिखाई जा सकती है। यह पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत ट्रेन होगी। इसी तरह दिल्ली से देहरादून के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस इस महीने के अंतिम हफ्ते में चल सकती है। बिहार और झारखंड के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस पटना से रांची के बीच चल सकती है। इसी तरह मुंबई और गोवा के बीच अगले महीने वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई जा सकती है। यह गोवा की पहली वंदे भारत ट्रेन होगी जबकि मुंबई से पहले से ही तीन वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। रेल मंत्रालय ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का प्रोडक्शन और डिलीवरी बढ़ा दी है। अप्रैल में पांच वंदे भारत ट्रेन चलाई गई थी। माना जा रहा है कि जून के अंत तक कम से कम पांच वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया जा सकता है। मंगलवार को मुंबई-गोवा वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल भी शुरू हो गया। इस रूट पर पहले से कई ट्रेनें चल रही हैं। इनका समय आठ से नौ घंटे है।

उड़ते प्लेन में बीड़ी पीना पड़ गया महंगा, यात्री पहुंच गया जेल

बेंगलुरू । एक हवाई यात्री को 'बीड़ी' पीने के कारण जेल की हवा खानी पड़ रही है। यात्री को ऐसी तलब उठी कि उसने हवा में उड़ते प्लेन में बीड़ी जला दी और पीने लगा। जब प्लेन में धुआं उठा तो यह देख यात्री भौचक्के रह गए और तुरंत क्रू ने उसे ऐसा करने से रोका। जब हवाई जहाज बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरा तो इस यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने जब आरोपी से पूछताछ की तो उसकी बात सुन पुलिसवाले भी हैरान रह गए, क्योंकि उसने बताया कि वह ट्रेन में सफर करते हुए बीड़ी पी लेता है, तो उसे लगा कि हवाई जहाज में भी बीड़ी पी सकते हैं। दरअसल, अहमदाबाद से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले एक 56 वर्षीय व्यक्ति को मंगलवार दोपहर केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने पर गिरफ्तार कर लिया गया। वजह थी कि उस पर हवा में बीड़ी पीकर साथी यात्रियों की जान जोखिम में डालने का आरोप था। यह शख्स अकासा एयर से सफर कर रहा था। राजस्थान के पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन निवासी एम प्रवीण कुमार के रूप में पहचाने गए आरोपी को बेंगलुरु सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। केआईए में यह पहली बार है कि किसी को बीड़ी पीने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि केआईए पुलिस ने इस साल की शुरुआत में विमान में सिगरेट जलाने के लिए दो यात्रियों पर केस दर्ज किया था। निर्माण उद्योग में काम करने वाले कुमार ने पुलिस को बताया कि वह स्वरोजगार करता है और पहली बार उड़ान भर रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक सुरक्षा तलाशी के दौरान बीड़ी का पता न लग पाना एक गंभीर चूक है। इस तरह की घटना के लिए स्पष्टीकरण तलाशी में विफलता है। एक जांच अधिकारी ने कहा कि मंगलवार के मामले में, कुमार, जो पहली बार उड़ान भर रहे थे, ने दावा किया कि उन्हें धूम्रपान निषेध नियम की जानकारी नहीं थी। कुमार मारवाड़ में एक मजदूर है। वह एक वृद्ध व्यक्ति के साथ जा रहा था, जो एक रिश्तेदार की तेरहवी में भाग लेने के लिए शहर जा रहा था।

शहर के सैकड़ों कुत्ते गायब हो गए, जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह के मीट-भात महाभोज पर बीजेपी का कटाक्ष

पटना। बिहार भाजपा के नेता विजय कुमार सिन्हा ने मुंगेर में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बाद में जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष ललन सिंह द्वारा मांस-भात महाभोज आयोजित करने पर कटाक्ष किया। सिन्हा ने कहा कि जब से जद (यू) अध्यक्ष ने भोज का आयोजन किया है तब से सैकड़ों कुत्ते शहर से गायब हैं। भीड़ के बेकाबू होते ही पार्टी में हंगामा भी हो गया। जद (यू) अध्यक्ष द्वारा आयोजित मांस-चावल की दावत के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने लाठियों का भी इस्तेमाल किया। मामला बेहद गंभीर है। कई लोगों ने मुझे बताया है कि शहर से सैकड़ों कुत्ते गायब हो गए हैं। मजदूरों को मांस और चावल की जगह हजारों जानवरों का मांस खिलाया गया। यह जांच का विषय है। इससे कौन-सी बीमारी फैलेगी, शराब परोसी गई या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि चलो सभी की जांच करवाते हैं। हम पता लगाएंगे कि दावत में शामिल लोगों ने शराब पी थी या नहीं। मामले की जांच होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने मटन-चावल की दावत पर सवाल उठाते हुए इसकी जांच की मांग की। भाजपा के आरोपों के बाद जद (यू) ने विजय कुमार सिन्हा को मानसिक रूप से बीमार बताया है। जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने भाजपा नेता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विजय कुमार सिन्हा को खुद खुलासा करना चाहिए कि वह अपनी दावत में लोगों को किस जानवर का मांस परोसते हैं।

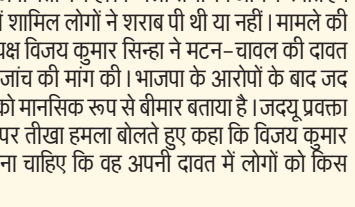

जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हुई

चेन्नई । तमिलनाडु के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में हुई जुड़वां शराब त्रासदियों में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 22 हो गई। सप्ताहांत में अवैध शराब के सेवन से अभी तक विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम से चौदह और चेंगलपट्टू जिले के मदुरंथकम से आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने डीएमके सरकार और डीजीपी सिलेंद्र बाबू को जुड़वां जहरीली शराब त्रासदियों को लेकर नोटिस जारी किया। आयोग ने राज्य सरकार से अवैध शराब की बिक्री और सेवन पर रोक लगाने को कहा है।

मुबंई में बोले जेपी नड्डा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने देखा बड़ा परिवर्तन, हमने सभी के लिए काम किया

मुबंई (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज मुबंई दौरे पर हैं। मुबंई में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मुंबई में लभार्थी सम्मेलन को नड्डा ने संबोधित भी किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि योजनाएं पहले भी बनती थीं, नीतियां पहले भी बनती थीं, लेकिन वह अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाती थीं। उन्होंने कहा कि पहले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री कहते थे कि मैं 1 रुपया भेजता हूं तो 85 पैसा न जाने कहां चला जाता है। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में करोड़ों रुपए डायरेक्ट लोगों के बैंक खाते में भेजे गए।

नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले लगभग करोड़ों बहनें लकड़ी का चूल्हा जलाती थीं, आज 'उज्ज्वला योजना' के तहत 9.60 करोड़ से अधिक महिलाओं को निशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन दिया गया है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के विपरीत, भाजपा ने हमेशा लोगों के जीवन में अंतिम छोर तक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि साथ ही कांग्रेस की 'कमीशन सरकार' के विपरीत हमारी सरकार ने हजारों करोड़ सीधे लोगों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, भारत की मुद्रास्फीति दर नियंत्रण में है और जीडीपी तेज

गति से बढ़ रही है।

भाजपा अद्यक्ष ने दावा किया कि पीएम मोदी के मजबूत नेतृत्व में, भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, जिसने ब्रिटेन को भी पीछे छोड़ दिया है, जिसने लगभग 2 शताब्दियों तक हम पर शासन किया था! उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने महान परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि शीर्ष ऑटोमोबाइल निर्माता देशों में शामिल होने से लेकर दुनिया के सबसे सफल कोविड टीकाकरण अभियान तक भारत ने एक लंबा सफर तय किया है।

जम्मू-कश्मीर में मूलभूत अधिकारों को बहाल कराना हमारी प्राथमिकता: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि उनकी प्राथमिकता जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव नहीं हैं, बल्कि उनकी पार्टी केंद्र-शासित प्रदेश की जनता के मूलभूत अधिकारों की बहाली पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगी। महबूबा ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा, ''चुनाव तो दूर की बात है। जनता के उन मूलभूत अधिकारों को बहाल करना प्राथमिकता होना चाहिए, जो उन्हें नहीं दिया जा रहा। लोगों के पास आवागमन की, अभिव्यक्ति की आजादी होनी चाहिए।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर उनकी पार्टी के पास संसाधन होते, तो वह 2019 के बाद देश की अनेक जेलों में बंद कश्मीरी

कैदियों के मामलों में उच्चतम न्यायालय में पैरवी करती।

महबूबा ने कहा, ''इन कैदियों के परिवारों के पास कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए संसाधन नहीं हैं और उनके मामलों में मुश्किल से ही सुनवाई हो रही है।'' अनुच्छेद-370 पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान के बारे में पूछे जाने पर महबूबा ने कहा कि वह अनुच्छेद-370 के महत्व पर उनसे बात नहीं कर सकतीं, जिन्होंने 'देश के संविधान को तबाह कर दिया है।' उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें क्या बताऊं? भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश के संविधान का सम्मान नहीं कर रही। भाजपा ने अपना सांप्रदायिक एजेंडा लागू किया है। उन्हें अनुच्छेद-370 का महत्व नहीं पता। यह जम्मू-कश्मीर और देश के बीच एक सेतु है, जिसे उन्होंने तोड़ दिया है।

मुख्तार अंसारी को एमपी एमएलए कोर्ट ने हत्या के प्रयास मामले में दोष मुक्त किया

गाजीपुर । माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने हत्या के प्रयास के मुकदमें में दोष मुक्त करार दिया है। बता दें कि प्रदेश के बांदा जेल में बंद माफिया अंसारी की बाराबंकी की एमपी-एमएलएकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। इस दौरान मुख्तार ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया साथ ही मुख्तार ने इस दौरान जज का आभार भी जताया। दरअसल, पेशी के दौरान अंसारी ने बताया कि उसने पिछली बार जो-जो मांग कोर्ट के सामने रखी थीं, वहां अब पूरी हो चुकी हैं। बता दें कि पिछले दिनों मुख्तार ने कोर्ट से केला और लखनवी आम की डिमांड की थी। साथी ही कहा था कि बांदा जेल में अपने वकील से मिलने दिया जाए। वहीं पेशी के दौरान मुख्तार ने एंबुलेंस मामले में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। इसके बाद जज कमलकांत श्रीवास्तव ने आरोपों की सुनवाई के लिए 22 मई की तारीख दे दी। यह जानकारी मुख्तार अंसारी के वकील रणधीर सिंह सुमन ने दी है।

जी-20 की बैठक का कई देश कर सकते हैं बहिष्कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रीनगर में होने वाली जी-20 की बैठक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद उत्पन्न हो गया है। कयास लगाया जा रहा है, कि कुछ देश इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। जम्मू कश्मीर में बैठक को लेकर जिस तरह का विवाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बन गया है। उसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी यह संभावना बनने लगी है, कि बैठक में कुछ देश अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने, भारत में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर जो रिपोर्ट जारी की है। उसके बाद से एक नया विवाद शुरू हो गया है। भारत ने अमेरिका की रिपोर्ट को खारिज किया है। भारत सरकार का कहना है, कि वह जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत को देश के किसी भी हिस्से में बैठक की मेजबानी करने का उसे विशेषाधिकार प्राप्त है। जी-20 की बैठक जम्मू कश्मीर में आयोजित करना, भारत के अल्पसंख्यकों और कश्मीरी मुसलमानों के मानव अधिकार से जोड़ना गलत है।

कश्मीर में हाई अलर्ट: श्रीनगर में 22 से 24 मई तक टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक होगी। इसके लिए विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है। आतंकियों की घुसपैठ की आशंका को देखते हुए हाई अलर्ट घोषित किया गया है। बीएसएफ का सुरक्षा बल बॉर्डर पर लगातार गश्त कर रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम काफी कड़े कर दिए गए हैं। जी-20 की बैठक को लेकर जिस तरह का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद बना है। उसके बाद यह संभावना व्यक्त की जा रही है, कि कुछ देशों के प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर की बैठक में शामिल होने से बच सकते हैं।

बिहार के बांका में सोने का भंडार मिलने की उम्मीद, चल रही है खुदाई

बांका (एजेंसी)। बिहार बांका में सोने की खान मिलने की संभावना के चलो यहां खुदाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार बांका के कटोरिया प्रखंड के गांवों में जमीन के नीचे सोने के भंडार होने का पता चला है। भारत सरकार की टीम सोने की खोज में खुदाई कर रही है। ड्रिलिंग के दौरान चमकीले पत्थर मिलने से उम्मीदें और बढ़ गई है। भागलपुर में कोयले के दो बड़े भंडार मिलने के बाद अब बांका में सोने का अपार भंडार मिलने की उम्मीद है। भू-वैज्ञानिकों की टीम लगातार जुटी हुई है। अनुमान है कि इन गांवों में जमीन के नीचे सोने का खजाना है। ड्रिल मशीन के जरिए करीब 100 फीट तक खुदाई की गई है। 650 फीट तक खुदाई की जाएगी। बांका में खुदाई से निकलने वाले पत्थर और मिट्टी को लैब टेस्ट के लिए जमा किया जा रहा है। कई महीनों से केंद्रीय और राज्य स्तर की भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण टीमें लगातार स्टडी कर रही हैं। इन्हें यकीन है कि कटोरिया प्रखंड के गांवों में सोने का अपार भंडार मिल सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि खुदाई के दौरान निकल रहे पत्थरों की चमक भी अलग तरह की है।

जानकारी के अनुसार भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) टीमें अलग-अलग जगहों से नमूने जुटा रही है। पिछले चार दिनों से विभिन्न प्रकार के मशीनों से खुदाई की जा रही है। हालांकि, जिला खनन पदाधिकारी कुमार रंजन ने मीडिया बताया कि खुदाई से निकले सामान की लैब में जांच करने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जयपुर थाना क्षेत्र के लकरामा पंचायत के चंदेपट्टी गांव में सोना मिलने की उम्मीद जताई गई है। जबकि कटोरिया थाना क्षेत्र के बड़वासिनी पंचायत के बाघमारी गांव में भी अभ्रक सहित कीमती खनिज पदार्थ मिलने की संभावना है। इसे लेकर चार जगहों को चिह्नित करके जीएसआई की टीम जांच कर रही है। बांका जिले के कटोरिया प्रखंड के अलग-अलग गांवों में जमीन के अंदर सैकड़ों टन सोना सहित कीमती खनिज के दबे होने का पता चला है।

ममता की बात पर अखिलेश राजी, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का देंगे साथ

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्य क्ष अखिलेश यादव कांग्रेस को समर्थन देने के लिए राजी हो गए हैं। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में अपने-अपने यहां मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों को आगे करके भाजपा का मुकाबला करने की पश्चिम बंगाल की मुख्यामंत्री ममता बनर्जी की राय का समर्थन किया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि अन्यम पार्टियां भी ऐसा ही चाहती हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव परिणामों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों ने अखिलेश यादव से ममता बनर्जी के बयान को लेकर सवाल किया था। यादव ने यहां एक बयान में राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि जिस प्रदेश में जो दल मजबूत हो वहां उसे आगे कर चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और अन्य पार्टियां भी यही चाहती हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा था कि वह शुरू से ही कह रही हैं कि संबंधित क्षेत्रों में ताकत रखने वाले दलों को वहां आगे करके भाजपा से मुकाबला करना चाहिए। जैसे- दिल्ली में आम आदमी पार्टी, बिहार में राष्ट्री य जनता दल (राजद) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू), उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस।

ममता ने कहा था कि जिस राज्या में क्षेत्रीय पार्टी मजबूत है वहां भाजपा उसका मुकाबला नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में जो क्षेत्रीय पार्टी जहां मजबूत है, उसे भाजपा का मुकाबला करना चाहिए। वहीं, अन्य विपक्षी दलों को उस पार्टी की मदद करनी चाहिए। गौरतलब है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ मोर्चा बनाने में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि उनकी कोशिश समान विचारधारा वाली ज्योदा से ज्यादा पार्टियों को एक मंच पर लाने की है। इसके लिये पार्टियों के साथ बातचीत हो रही है।

2024 चुनाव को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम के विपक्ष से अपील

प्रियंका गांधी को बनाएं पीएम उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरण को साधने की कोशिश में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में विपक्षी एकता की भी कवायद जारी है। कई दल विपक्ष को एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ने की अपील कर चुके हैं। इन सब के बीच कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम का बड़ा बयान सामने आया है। उनका यह बयान प्रियंका गांधी को लेकर है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अगर विपक्ष को 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी को हराना है तो उसे एक ऐसा बड़ा चेहरा सामने लाना होगा जो लोकप्रिय, विश्वसनीय और स्वीकार्य हो।

इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा दिया कि मुझे लगता है कि प्रियंका गांधी से अधिक

लोकप्रिय, स्वीकार्य और विश्वसनीय कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं विपक्षी दलों से उन्हें पीएम उम्मीदवार घोषित करने की अपील करना चाहता हूं। राहुल गांधी पर बोलते हुए आचार्य प्रमोद ने कहा कि वो इस समय तपस्वी की भूमिका में हैं। उन्होंने कहा कि रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूरज चाहिए। बूझे हुए चिरागों से रोशनी नहीं होती। उन्होंने कहा कि 2024 का चुनाव पूरी तरह से चेहरे पर होगा।

ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और अखिलेश यादव जैसे नेताओं को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि ये सभी लोग बड़े नेता हैं पर एक क्षेत्र से आते हैं। उन्होंने कहा कि आज मोदी पार्टी से बड़े हो चुके हैं। मोदी के खिलाफ चुनाव में कौन होगा, देश की जनता यह भी जानना चाहती है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के रणनीति पर बड़ा बयान दिया था। ममता ने कहा कि जहां कहीं भी कांग्रेस मजबूत है, हम उसका समर्थन करेंगे। इसके साथ उन्होंने यह भी कह दिया कि मजबूत क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर 6 से 10 डिग्री तक झुका, एएसआई का खुलासा

देहरादून (एजेंसी)। दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर 6 से 10 डिग्री तक झुक गया है। यह खुलासा एएसआई ने किया है। जानकारी के अनुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि तुंगनाथ मंदिर जो गढ़वाल हिमालय के रुद्रप्रयाग जिले में 12,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, लगभग पांच से छह डिग्री तक झुका हुआ है। इसके अलावा परिसर में छोटी संरचनाएं 10 डिग्री तक झुकी हुई हैं। एएसआई के अधिकारियों ने कहा है कि उन्होंने इस बारे में केंद्र सरकार को अवगत कराया और सुझाव दिया है कि मंदिर को संरक्षित स्मारक के रूप में शामिल किया जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि इसके बाद सरकार ने इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके तहत जनता से आपत्तियां मांगने के लिए एक अधिसूचना जारी की है। एएसआई क्षति के मूल कारण का पता लगाएगा ताकि इसकी तुरंत मरम्मत की जा सकती है। एएसआई के देहरादून सर्कल के अधीक्षण पुरातत्वविद् मनोज कुमार सक्सेना ने कहा कि सबसे पहले, हम क्षति के मूल कारण का पता लगाएंगे। अगर इसकी तुरंत मरम्मत की जा सकती है तो करेंगे। इसके अलावा मंदिर के गहन निरीक्षण के बाद एक विस्तृत कार्य कार्यक्रम तैयार किया जाएगा।

खतरनाक श्रेणी में पहुंचा दिल्ली-एनसीआर का एक्यूएल लेवल, प्रदूषण में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में एक्यूएल लेवल खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया है। यहां मंगलवार को चली धूल भरी आंधी ने हवा का लेवल बेहद खराब कर दिया है। हवा में पीएम10 का स्तर बहुत तेजी के साथ बढ़ा है। जानकारी के अनुसार दिल्ली में कल मंगलवार शाम 4 बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 254 मापा गया है, जोकि आज बुधवार सुबह 7 बजे 406 को पार कर गया है। वायु प्रदूषण के स्तर में हुई यह बढ़ोतरी राजधानीवासियों और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए बेहद ही परेशानी वाली बन गई है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले दो घंटे के भीतर उत्तरी दिल्ली (नरेला, बवाना, अलीपुर), गोहाना, गन्नौर, सोनीपत, रोहतक, खरखौदा (हरियाणा) बड़ौत, बागपत, खेकड़ा (यूपी) के अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम तीव्रता के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं आज बुधवार को मौसम साफ रहने और अधिकतम व न्यूनतम तापमान 27 और 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड होने का पूर्वानुमान भी जताया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों की मानें, तो कल मंगलवार को दिल्ली में पीएम10 का लेवल शाम 4 बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 254 मापा गया था। लेकिन धूल भरी आंधी से वायु में धूल इतनी बुरी तरह से मिक्स हो गई कि इसका स्तर आज बुधवार सुबह के वक्त बहुत खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में सुबह 7 बजे का एक्यूआई लेवल 406 रिकॉर्ड किया गया है जोकि स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद ही खतरनाक माना जाता है। इस श्रेणी में वायु प्रदूषण स्वास्थ्य के हिसाब से आपातकालीन स्थिति की स्वास्थ्य चेतावनी देने वाला होता है जिससे हर किसी के प्रभावित होने की संभावना अधिक होती है। वहीं अगर यही हालात रहते हैं तो दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण से लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सीपीसीबी के आंकड़ों की माने तो कल मंगलवार को दिल्ली के अलावा अन्य शहरों का एक्यूआई लेवल भी अन्य दिनों के मुकाबला बहुत ज्यादा रिकॉर्ड किया गया जोकि अंबाला में 206, बागपत में 261, बल्लभगढ़ में 179, भिवानी 241, चंडीगढ़ में 202, फरीदाबाद 180, गाजियाबाद 296, ग्रेटर नोएडा 318, गुरुग्राम 268, हापुड़ 157, मुज्फरनगर 278, सोनीपत 182, यमुनानगर 237 मापा गया।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो घंटे के भीतर नॉर्थ दिल्ली जैसे कि नरेला, बवाना, अलीपुर के इलाकों के अलावा हरि?याणा के गोहाना, गन्नौर, सोनीपत, रोहतक, खरखौदा (हरियाणा) और उत्तर प्रदेश के बड़ौत, बागपत, खेकड़ा (यूपी) के अलग-अलग इलाकों में अगले दो घंटों के भीतर हल्की से

मध्यम तीव्रता के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। आज मौसम साफ रहने और अधिकतम व न्यूनतम तापमान 27 और 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड होने का पूर्वानुमान भी जताया है। वहीं, कल बृहस्पतिवार को भी हल्की बारिश या बूंदाबांदी के साथ आमतौर पर बादल छाए रहने का अनुमान जताया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दिल्ली के अफसर ने कहा- सीक्रेट फाइलें गायब, सरकार बोली- वो यहां के वानखेड़े हैं

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा हाल ही में हटाये गये विशेष सचिव (सतर्कता) वाई वी वी जे राजशेखर ने आरोप लगाया है कि सोमवार देर रात उनके कार्यालय के कमरे की ''तलाशी' ली गई और आबकारी नीति एवं मुख्यमंत्री के सरकारी आवास के जीर्णोद्धार से संबंधित फाइल या तो

नष्ट कर दी गई या उनके साथ छेड़छाड़ हुई है। राजशेखर ने उपराज्यपाल कार्यालय, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और दिल्ली पुलिस के एक अतिरिक्त आयुक्त को एक रिपोर्ट भेजकर अपनी शिकायतों का विस्तृत ब्योरा दिया है।

वह दिल्ली के वानखेड़े हैं

राजशेखर के आरोपों पर अब दिल्ली सरकार का बयान आया है। सरकार का कहना है कि वह एक भ्रष्ट अधिकारी हैं। वह दिल्ली सतर्कता आयोग के वानखेड़े हैं। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने एक बयान में राजशेखर को 'पूरी तरह से भ्रष्ट अधिकारी' करार दिया है और 13 मई को उनसे काम छीने जाने के बावजूद कुछ फाइल अपने पास रखने की उनकी मंशा पर सवाल उठाये। बयान में कहा गया, ''रात में उनके कार्यालय में किसी व्यक्ति के घुसने के आरोपों की जांच सरकार विस्तृत तौर पर करेगी ताकि यह पता किया जा सके कि यह घटना सत्य है या झूठ। यदि आरोप सही हुए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।' सूत्रों ने कहा कि सतर्कता अधिकारी कथित दिल्ली शराब घोटाले और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के नवीनीकरण में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रहे थे।

दिल्ली शराब नीति घोटाला: सीबीआई ने पूर्व आबकारी आयुक्त अरवा गोपी कृष्णन को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में आरोपी के रूप में नामित दिल्ली के पूर्व आबकारी आयुक्त अरवा गोपी कृष्ण को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में क्लीन चिट दे दी है। यह मामले में कई आरोपों का सामना कर रहे कृष्ण के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है। उन्हें प्राथमिकी में आरोपी बनाया गया था, लेकिन अब उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी. सीबीआई सूत्र ने कहा कि पूरी जांच के दौरान उन्हें कृष्ण के खिलाफ कोई आपत्तिजनक सबूत नहीं मिला। कृष्ण द्वारा किए गए

किसी भी प्रकार के आपराधिक कदाचार का सुझाव देने के लिए रिकॉर्ड में कुछ भी नहीं था। उन्होंने आबकारी नीति में अनुकूल प्रावधानों को शामिल करने में कोई भूमिका नहीं निभाई। उन्होंने केवल जीओएम और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के निर्देशों का पालन किया। उनके द्वारा कोई अपराध नहीं किया गया था।साथ ही, सीबीआई एक मजिस्ट्रेट के समक्ष सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज किए गए उसके बयान पर भरोसा कर रही है, जिसमें उसने चौंकाने वाले तथ्यों का खुलासा किया। सूत्र ने कहा, उन्होंने आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन के मामले में सिसोदिया के दुर्भावनापूर्ण इरादे को उजागर किया। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में दो चार्जशीट दायर की हैं और अब वे दूसरी पूरक चार्जशीट भरने की ओर अग्रसर हैं।

जालसाज मोहसिन : फर्जी कंपनियां बना बैंकों से 23 करोड़ ठगे, पूरा गिरोह तीन साल से लगा रहा था चूना; आठ दबोचे

नई दिल्ली। फर्जी कंपनियां बनाकर बैंकों से 23 करोड़ रुपये से अधिक का लोन लेकर गबन करने वाले एक गिरोह का खुलासा हुआ है। नोएडा एसटीएफ और नोएडा पुलिस की टीम ने सरगना समेत आठ जालसाजों को गिरफ्तार किया है। जालसाज 13 अलग-अलग फर्जी कंपनी बनाकर इनमें फर्जी कर्मचारी के नाम पर वेतन डालते थे और सिबिल स्कोर अच्छा कर बैंक से लोन ले लेते थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खाते में 80 लाख रुपये फ्रीज कराए हैं और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट एंड इंटेलिजेंस कंट्रोल के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट की तरफ से मिली शिकायत के बाद नोएडा एसटीएफ और नोएडा पुलिस की टीम ने आठ जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जैतपुर, बिजनौर निवासी मोहसिन खान, चंदननगर दिल्ली निवासी अनुराग चटकारा उर्फ अनुराग अरोड़ा, लालकुआं, गाजियाबाद निवासी अमन शर्मा, सेक्टर-20 निवासी दानिश छिब्बर, न्यू अशोक नगर निवासी वसीम अहमद, जैतपुर, दिल्ली निवासी जीतू उर्फ जितेन्द्र, कन्नौज निवासी रविकांत मिश्रा और ग्रेटर नोएडा निवासी तनुज शर्मा के रूप में हुई है। जालसाज फर्जी आधार, डीएल और पैन कार्ड के आधार पर फर्जी कंपनियां बनाते थे और बैंकों से लोन लेकर गबन कर जाते थे। नोएडा जोन के डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि जालसाज तीन साल से लगातार इस तरह के फ्रॉड कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी 19 से 24 मई तक जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की करेंगे यात्रा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 से 24 मई तक जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने इसकी घोषणा की। मोदी जी7 के शिखर सम्मेलन के लिए 19 से 21 मई तक जापानी शहर हिरोशिमा में रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी जी7 सत्रों में भागीदार देशों के साथ शांति, स्थिरता और धरती की समृद्धि; तथा खाद्यान्न, उर्वरक और ऊर्जा सुरक्षा जैसे विषयों पर अपने विचार प्रकट करेंगे।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि मोदी जापान से पोर्ट मोरेस्बी की यात्रा करेंगे, जहां वह 22 मई को पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारपे के साथ संयुक्त रूप से फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन के तीसरे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में, मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने 22 से 24 मई तक ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भी शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'शिखर सम्मेलन नेताओं को भारत-प्रशांत क्षेत्र में विकास के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करने और मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए अपनी दृष्टि को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

दिल्ली: शकूरबस्ती की झुग्गी बस्ती पहुंचे राहुल गांधी, महिलाओं से समस्याओं के बारे में पूछा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन के निकट झुग्गी बस्ती जाकर वहां रहने वाली महिलाओं से मुलाकात की। इस दौरान महिलाओं ने उन्हें ''अपने घर पर बुलडोजर चलाए जाने के डर' और महंगाई जैसी समस्याओं के बारे में अवगत कराया।

कांग्रेस ने महिलाओं के साथ राहुल गांधी की मुलाकात का वीडियो जारी किया।

पार्टी ने कहा, दिल्ली के शकूरबस्ती में रहनेवाले परिवार जहां एक तरफ चौतरफा महंगाई से परेशान हैं तो दूसरी तरफ बुलडोजर के खौफ में जीने को मजबूर हैं। बिजली, पानी, रसोई गैस और बच्चों की पढ़ाई को लेकर ये हर दिन चुनौतियों का सामना करते हैं।÷ कांग्रेस ने कहा, ÷राहुल गांधी जी ने इन परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और समझीं। इस वीडियो में राहुल गांधी महिलाओं से उनकी समस्याओं के

बारे में जानकारी लेते दिखाई देते हैं। इन महिलाओं ने कहा कि उन्हें सबसे बड़ा डर इस बात का लगता है कि कहीं उनका आशियाना न तोड़ दिया जाए। वीडियो में कुछ महिलाएं महंगाई और खासकर एलपीजी सिलेंडर के बढ़े हुए दाम को लेकर शिकायत करती दिखती हैं।

जूता चप्पल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। दमकल की करीब 24 गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंची और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बुधवार को बताया कि बीती रात 10.30 बजे सूचना मिली कि नरेला स्थित जूता चप्पल बनाने वाली एक फैक्ट्री में आग लगी है। सूचना के बाद दमकल की एक के बाद एक कर 24 गाड़ियां मौके पर पहुंची और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग इतनी भीषण थी कि आसपास की फैक्ट्रियों के भी उसकी चपेट में आने आशंका बन गई थी। इसलिये एहतियातन आसपास की फैक्ट्रियों को खाली कराया गया। साथ ही पूरे इलाके में बिजली सप्लाई बंद कर दी गई, ताकि शॉर्ट सर्किट के कारण आग न फैले। पुलिस के मुताबिक घटन के वक्त उस फैक्ट्री के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था, जिसके चलते किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि अंदर रखा हुआ सारा समान जलकर खाक हो गया है।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित गांव, राष्ट्रीय राजधानी में रहते हुए भी आदीवासियों की तरह जीनें को मजबूर लोग

नई दिल्ली। नॉर्थ दिल्ली में एक लाल डोरा वाला प्राचीन गांव ऐसा भी जहां रहने वाले लोग मूलभूत सुविधओं से वंचित है. यहां टूटी गलियां, गंदी नालियां, पीने के पानी की किल्लत से लोग परेशान हैं. समस्या यही नहीं बल्कि इस गांव का साइन बोर्ड, जिसका वजन करीब 100 किलो से ज्यादा है. वो पिछले एक महीने से हवा में टंगा हुआ है, जिससे कभी कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है.

नॉर्थ दिल्ली के इस गांव का नाम जहांगीरपुर है. यह गांव बुराड़ी विधानसभा के अधीन आता है. इस गांव के निवासी अपने आपको यह नहीं लगता कि वह राजधानी दिल्ली में रह रहे हैं, क्योंकि यहां के हालात ही कुछ ऐसे हैं जिन्हें देखकर आप खुद हैरान हो जाएंगे. सबसे पहले आपको इस गांव में इंट्री करते ही आपको इस गांव का साइन बोर्ड दिखाई देगा. किस तरीके से यह साइन बोर्ड हवा में लटका हुआ है. यह पिछले 1 महीने की आंधी से टूट गया था, जिससे यह साइन बोर्ड आधा अधूरा हवा में ही लटका हुआ है. इसके चलते हमेशा यहां हादसे का खतरा मंडराता रहता है.

DJB नहीं कर रहा पानी सप्लाई

आपको बता दें कि अपने पहले जमाने में ग्रामीण इलाकों में हैंडपंप जरूर देखे होंगे. इस जहांगीरपुर गांव की गलियों में जगह-जगह हैंडपंप दिखना एक आम बात है, परंतु दिल्ली शहर में यदि कहीं हैंडपंप देखने को मिल जाए तो यह हैरानी की बात होती है. यहां के लोगों का आरोप है कि जलबोर्ड का पानी इन लोगों तक पूर्ण मात्रा में नही मिल पाता है. इसके चलते यह लोग अक्सर खारे पानी का इस्तेमाल नहाने धोने और खाने-पीने में करते हैं. इन लोगों ने अपने घरों के बाहर हैंडपंप लगाए हुए हैं, जिससे पानी निकालते हैं और अपना दिनचर्या चलाते हैं.

लाल डोरा वाले प्राचीन गांव की गलियां आज तक बनाई नहीं गई हैं. नालियों की रिपेयरिंग नहीं की गई लोगों का आरोप यह भी है कि यहां तक सफाई कर्मचारी नहीं पहुंच पाते हैं. इसके चलते नालियों में गंदगी के चलते कीड़े-मकोड़े, मच्छर-मक्खी पनप रहे हैं.

शासन पर खड़े हो रहे सवाल

आपको बता दें यह करीब 80 साल पुराना प्राचीन गांव हैं. लालडोरा मान्यता प्राप्त इस प्राचीन गांव में मूलभूत सुविधाएं न होना, यहां के लोगों के लिए एक बड़ी मुसीबत बनती जा रही है. कहीं न कहीं शासन-प्रशासन पर भी बड़े सवालियां निशान खड़े हो रहे हैं.

राजधानी दिल्ली में जनता पानी फ्री देने की बात कही जा रही हैं. उस दिल्ली में पानी, सड़कें, गलियां व नालियां जैसी मूलभूत सुविधाएं जनता तक न पहुंचना कहीं न कहीं अब शासन प्रशासन व जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल खड़े कर रहा है.

फर्जी डॉक्टर बन AIIMS में की मरीजों से ठगी, जल्द इलाज कराने के बहाने ऐंठती थी पैसे

नई दिल्ली। एम्स हॉस्पिटल में अपने आपको डॉक्टर बताकर चीटिंग करने वाली एक पढ़ी लिखी युवती को पुलिस टीम ने धर दबोचा है. युवती उत्तर प्रदेश के बदायूं की रहने वाली है. वह अपने आपको जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर बताकर लोगों से धोखाधड़ी कर रही थी. इसने एम्स परिसर में 96 हजार रुपये की एक शख्स से चीटिंग की थी.

पुलिस के अनुसार पूछताछ से पता चला कि आरोपी युवती बरेली की एक यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएट कर चुकी थी. उसके बाद फिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी से एमएससी की पढ़ाई फॉरेंसिक साइंस में की. इससे उसे फॉरेंसिक की पूरी नॉलेज हो गई. इसके दिमाग में आइडिया आया और उसने डॉक्टर जैसा सफेद कोट खरीदा. उसके ऊपर उसने अपना नाम और जेआर इन फॉरेंसिक एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट लिखकर लगा दिया.

इसके बाद उसने एम्स पहुंचकर यहां मरीजों को और उनके तीमारदारों को मिलती और उन्हें उनका इलाज जल्दी कराने का लालच देकर उनसे चीटिंग करती थी. पुलिस को एक शख्स ने बताया कि उसके साथ चीटिंग की वारदात को अंजाम दिया गया है. जल्दी इलाज कराने के लिए उससे 96 हजार रुपये ठग लिए हैं. पीड़ित हरिद्वार का रहने वाला है, अपनी बेटी के हाथ के इलाज के लिए उसने जिस लेडी डॉक्टर को पैसे दिए उसने अपना नाम डॉक्टर सुधी त्रिवेदी बताया था. पीड़ित ने पुलिस को पेमेंट की डिटेल भी दी जिसे उसने यूपीआई के जरिये आरोपी को दिया था, लेकिन जब 10 दिन तक उसका काम नहीं हुआ तब उसने पुलिस में शिकायत की. हौजखास थाने में इस मामले को लेकर FIR दर्ज हुई है.

डीसीपी चंदन चौधरी के निर्देश पर एसीपी हौज खास हरिश्चंद्र की देखरेख में एसएचओ शिव दर्शन शर्मा, एम्स पुलिस चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर दीपेंद्र, सहायक सब इंस्पेक्टर ब्रह्मानंद, मुकेश, प्रदीप और लेडी कॉन्स्टेबल दीक्षा की टीम लगातार इसका पता लगाती रही, फिर पुलिस टीम ने छानबीन करके और सीसीटीवी फुटेज की मदद से इस पूरे गड़बड़झाले का खुलासा किया. उसी आधार पर पहचान की गई और फिर पूछताछ में उसने पूरे मामले का खुलासा किया.

पहलवानों से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन का आज 24वां दिन है। पहलवानों का समर्थन करने के लिए कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस नेता उदित राज ने भी पहलवानों का समर्थन किया। इस दौरान अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही देश के पहलवानों के समर्थन में साथ खड़ी है। मौजूदा हालात में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बेटियों के साथ न्याय नहीं कर रही है और पूरी सरकार एक आरोपी को बचाने में लगी है उन्होंने कहा कि बड़े दुख की बात है कि देश का सम्मान बढ़ाने वाले पहलवान, आज जंतर मंतर पर बैठे हैं। अभी तक न अपराधी को गिरफ्तार किया गया है और न ही उस पर कोई कार्रवाई की गई है।आगे कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कहा कि आज देश की बेटियों को न्याय नहीं मिल रहा है और वे न्याय की उम्मीद में जंतर मंतर पर धरना दे रही हैं। कई दिन बीत जाने के बावजूद पहलवानों को अभी तक न्याय नहीं मिल सका है। सरकार बस लोगों का ध्यान पहलवानों के धरना प्रदर्शन से ध्यान भटकाने की कोशिश करने में लगी हुई।

आप सरकार ने की I LOVE YAMUNA अभियान की शुरुआत, 4 जून को जनसंसद में करेंगे ये अपील

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने आज यानी बुधवार से आई लव यमुना अभियान की शुरुआत छठ घाट से की है. इस अभियान के तहत दिल्ली सरकार यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाएगी. इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा जनभागीदारी हो इसको लेकर लोगों को जागरूक भी किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान से जुड़ सकें. यमुना की सफाई में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें.

इस अभियान की शुरुआत दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने श्रम दान देकर की. यमुना घाट पर पौधे भी लगाए ताकि पर्यावरण हरा भरा बना रहे. इस दौरान गोपाल राय ने कहा कि हम इस अभियान के तहत यमुना की सफाई में तेजी लाएंगे. साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस अभियान में जोड़ने की कोशिश दिल्ली सरकार की तरफ से की जाएगी. इसके लिए सरकार जन जागरूकता अभियान भी चलाएगी,

क्योंकि यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाने में जन भागीदारी अति आवश्यक है.

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि हम आई लव यमुना अभियान के तहत 4 जून को जनसंसद बुलाएंगे. इस जनसंसद में मानव श्रंखला बनाकर लोगों को यमुना सफाई अभियान से जोड़ेंगे. साथ ही लोगों को प्रेरित भी करेंगे कि वह इस अभियान से जुड़कर यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाने में सरकार का सहयोग करें.

वहीं दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बुंदाबांदी बारिश शुरू हो गई है. इससे फिलहाल लोगों को चिलचिलाती गर्मी से लोगों को राहत मिल गई है. सुबह से ही चल रही है तेज हवाएं आसमान में घने काले बादल छाए हैं. नार्थ दिल्ली के बुराड़ी में मौषम सुहाना हो गया है. पिछले दो दिन से उड़ रही धूल से भी जनता को राहत मिली है. वहीं आज यानी बुधवार को आसमान में डस्टी एयर का असर बना रहेगा. साथ ही आज सुबह का तापमान 27 डिग्री और दिन का तापमान 42 डिग्री के पार जाने की उम्मीद है.

विहिप ने लोगों को लिबर्टी सिनेमा हॉल में 'द केरल स्टोरी' दिखवाई

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंगलवार को कहा है कि 'द केरल स्टोरी' जिहादी तत्वों की ओर से फैलाए जा रहे लव जिहाद और धर्मांतरण की साजिशों को बेनकाब करने वाली फिल्म है। विहिप की ओर से आज बहन-बेटियों को 'द केरल स्टोरी' फिल्म दिखाने के लिए दिल्ली के लिबर्टी सिनेमा हॉल में निःशुल्क शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विहिप के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट आलोक ने कहा कि द केरल स्टोरी सत्य घटनाओं पर आधारित एक बेहद महत्वपूर्ण विषय पर बनाई गई फिल्म है। इसे हर हिंदू को अपने पूरे परिवार के साथ सिनेमा हॉल में जरूर देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उजागर करती है कि किस प्रकार आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन से जुड़े जिहादी लोग एक सोची समझी साजिश के तहत हमारे देश की भोली भाली मासूम बहन-

बेटियों को पहले लव जिहाद के जाल में फंसाते हैं। उसके बाद बहला फुसलाकर इन बच्चियों का इस्लाम धर्म में परिवर्तन करवाया जाता है।

विहिप के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जिहादी तत्वों के खतरनाक मंसूबों और क्रियाकलापों के बारे में आंखें खोलने वाले सच को 'द केरल स्टोरी' फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है। ये फिल्म हमारे बहन-बेटियों की सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। जिहादी तत्वों से सावधान रहना और जागरूकता बरतना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विहिप की अपील के बावजूद अब तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'द केरल स्टोरी' को कर मुक्त नहीं किया है, जबकि तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस फिल्म को बहुत पहले टैक्स फ्री कर दिया है। दिल्ली सरकार को भी इस फिल्म को तुरंत कर मुक्त करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग इसे सिनेमाघर में जाकर देख सकें। फिल्म के निःशुल्क शो के आयोजन के मौके पर विहिप मातृशक्ति की प्रांत संयोजिका सुनीता शुक्ला, सह संयोजिका पूनम बब्बर और प्रांत कोषाध्यक्ष सुनील सूरी और प्रचार प्रसार सह प्रमुख सुमीत अलघ मौजूद रहे।

'सशक्ति आत्मरक्षा कैंप' में आत्मरक्षा के गुर सीखकर लड़कियां बनेंगी सशक्त

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लड़कियों से छेड़छाड़ व विरोध करने पर सिरफिरों द्वारा मारपीट या जानलेवा हमला करने की वारदातें होती रहती हैं। बहुत से मामलों में तो पीड़ित लड़कियां व महिलाएं लोकलाज के डर से पुलिस तक नहीं जातीं। ऐसी ही लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली पुलिस ने 'सशक्ति आत्मरक्षा कैंप' का आयोजन किया है। यह कैंप 25 मई से लेकर छह जून तक आयोजित किया जाएगा। राजधानी में पांच जगहों पर यह कैंप आयोजित किया जाएगा जिसमें लड़कियों और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। 011-20865499 पर कॉल करके इच्छुक लड़कियां और महिलाएं 19 मई तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकती हैं।

इस शिविर में शारीरिक प्रशिक्षण देने के साथ ही लड़कियों को मानसिक रूप से भी इस बात के लिए तैयार किया जाएगा कि मुसीबत के समय वह मनचलों से कैसे निपटें। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस का मानना है कि मनचलों से निपटने के लिए लड़कियों को सिर्फ शरीर से नहीं बल्कि इरादों से भी फौलादी बनना होगा।

मनचलों को उनकी हरकतों का जवाब मौके पर ही मिल जाए तो वे कभी दोबारा ऐसी हरकत नहीं करेंगे। इन्हीं सब को देखते हुए लड़कियों को मुख्य रूप से ताइक्वांडो सिखाया जाएगा। इससे मुसीबत के वक्त में लड़कियों को आत्मरक्षा के साथ ही हमलावर को करारा जवाब देने के लिए तैयार किया जाएगा। वहीं, लड़कियों को मानसिक व बौद्धिक स्तर पर मजबूत करने के लिए भी इन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि इस शिविर में पहली क्लास की बच्चियों से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक की युवतियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पांचवीं तक की छात्राओं को गुड टच- बैड टच, अच्छे व बुरे लोगों की पहचान करना सिखाया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि वह किसी अजनबी के साथ अकेले न जाएं, उससे बात न करें। कोई पड़ोसी या रिश्तेदार उन्हें गलत तरीके से छूता, देखता या व्यवहार करता है तो माता-पिता या विश्वसनीय अभिभावकों को बताएं। स्कूल वैन में चालक-परिचालक और स्कूल के अन्य स्टाफ के व्यवहार के बारे में घरवालों को बताएं। मुसीबत में पुलिस व परिजनों से कैसे मदद मांगें। छात्राओं को पीसीआर, फायर व चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर भी याद कराए जायेंगे।

इसी क्रम में छठी से 12वीं तक की छात्राओं को आत्मरक्षा के साथ ही जवाबी हमला करने के लिए भी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें सेल्फ डिफेंस के साथ ही साइबर क्राइम व कानूनी अधिकार भी बताए जाएंगे। लड़कियों को आम और विशेष आपराधिक हमलों से बचाव व मार्शल आर्ट के जरिये बदमाशों को सबक सिखाने के लिए तैयार किया जाएगा।

साइबर क्राइम से बचने के लिए तकनीकी जानकारी व साइबर लॉ के साथ यह भी बताया जाएगा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर कैसे लड़कियों का शोषण किया जाता है। इससे बचने व अपराधियों को पकड़वाने के लिए क्या करना चाहिए। फेसबुक, वाट्सऐप, यू-ट्यूब, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम व ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सर्फिंग के दौरान क्या सावधानी बरतें। उन्हें दिल्ली पुलिस के मोबाइल ऐप जैसे हिम्मत प्लस, क्यूआर कोड वाली टैक्सी समेत ऐप बेस्ड टैक्सी में सफर करते समय बरती जाने वाली सावधानियां भी बताई जाएंगी।